संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 137
पृष्ठ 8
मंगलवार
04 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- केले के साथ मिलाकर ...
विचार- समान नागरिक संहिता.....
खेल- दिल्ली ने रेलवे को ....

पीएम मोदी का दिल्ली की आप सरकार पर बड़ा आरोप

छात्रों के भविष्य से खेल रही

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चुनाव को लेकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों के साथ बातचीत की। नरेंद्र मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कैसे आम आदमी पार्टी सरकार की छवि सुधारने के लिए छात्रों के भविष्य को नुकसान पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने दिल्ली में सुना है, वे (आप सरकार) बच्चों को 9वीं कक्षा के बाद आगे नहीं जाने देते हैं। केवल उन्हीं बच्चों को जाने की अनुमति दी जाती है जिनके पास होने की गारंटी होती है। क्योंकि अगर उनका रिजल्ट ख़राब आया तो उनकी सरकार की साख ख़राब हो जायेगी। इसलिए बहुत बेईमानी का काम किया जाता है। चूंकि दिल्ली चुनाव प्रचार आखिरी चरण में है, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी 5 फरवरी को अपनी अगली सरकार चुनने के लिए

मतदान करेगी, राजनीतिक नेता और पार्टियां लोगों का दिल जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आरके पुरम में एक चुनावी रैली को संबोधित किया और "मोदी की गारंटी" के अपने चुनावी नारे को दोहराया और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा शुक्रवार को पेश किए गए बजट में मध्यम वर्ग समर्थक प्रावधानों को दोहराया। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग कह रहा है कि यह भारत के इतिहास में उनके लिए सबसे अनुकूल बजट है। मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी (आप)सरकार की उसकी कथित झूठे वादों और भ्रष्टाचार की आलोचना करते हुए कहा कि उसकी नीतियों के कारण कारखाने बंद हो

● आप सरकार बच्चों को 9वीं कक्षा के बाद आगे नहीं जाने देते
● पीएम मोदी ने को लोगों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दी

रहे हैं और जिन लोगों ने जनता को लूटा है, उन्हें इसका हिसाब देना होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक ओर 'आप–दा' है जो झूठे वादों के लिए खड़ी है, वहीं दूसरी ओर 'मोदी की गारंटी' है। मोदी ने रविवार को लोगों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार ऋतु परिवर्तन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने भाजपा सरकार चुनने का मन बना लिया है।

दो तिहाई बहुमत से बनेगी भाजपा सरकार : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चुनाव को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के आया नगर इलाके में भाजपा उम्मीदवार करतार सिंह तंवर के समर्थन में रोड शो किया। उन्होंने कहा कि इस बार दिल्ली की जनता ने दिल्ली में बीजेपी को दो तिहाई बहुमत देने का फैसला कर लिया है। लोगों को भी भरोसा है कि दिल्ली में बीजेपी की सरकार बनेगी। भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ी है, विकास हुआ है। इन आंकड़ों को कोई नजरअंदाज नहीं कर सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि इन (आप) लोगों ने दिल्ली की जनता को धोखा दिया है। वहीं, एक अन्य रोड शो में बीजेपी नेता स्मृति ईरानी ने कहा कि पार्टी के एक मेहनती कार्यकर्ता को आदर्श नगर से उम्मीदवार बनाया गया है। राजकुमार भाटिया जब गली–गली जा रहे हैं तो वहां

मोदी की गारंटी की गूंज सुनाई दे रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता मोदी पर भरोसा करके कमल का बटन जरूर दबाएगी गारंटी दीजिए और भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में जीत का परचम लहराएगी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सुल्तानपुर माजरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार करम सिंह कामरा के लिए सुल्तानपुरी में रोड शो किया। प्रमोद सावंत ने कहा कि दिल्ली में चुनाव प्रचार आज खत्म हो रहा है। ये आखिरी रैली है। दिल्ली में बीजेपी भारी बहुमत से जीत रही है। मुझे पूरा भरोसा है कि लोग डबल इंजन सरकार के लिए वोट करेंगे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली के वेस्ट पटेल नगर में पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार राज कुमार आनंद के समर्थन में रोड शो किया। भाजपा सांसद रवि किशन ने पार्टी उम्मीदवार नारायण दत्त शर्मा के लिए प्रचार करते हुए बदरपुर में रोड शो किया।

'वह कौन गुंडा है जिससे दिल्ली पुलिस डरती है', भाजपा पर बरसे केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के अंतिम दिन आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी में उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने श्डबल इंजनश सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि जिस तरह से दिल्ली चुनाव में गुंडागर्दी हो रही है, देश की जनता जानना चाहती है कि यह कौन कर रहा है और सबसे बड़ा गुंडा कौन है। केजरीवाल ने भाजपा पर वार करते हुए पूछा कि आप

कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं, पुलिस असहाय है। वह कौन गुंडा है जिससे दिल्ली पुलिस डरती है। केजरीवाल ने कहा कि रविवार को पहली बार ऐसा हुआ कि पत्रकारों पर हमला हुआ और एक का सिर काट दिया गया। कवरेज करने गए पत्रकारों को निकाल दिया गया। ये सब देश की संसद से 1 किलोमीटर की दूरी पर हो रहा है। केजरीवाल ने कहा कि जिस तरह से चुनाव आयोग ने भारतीय जनता पार्टी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है, ऐसा लगता है जैसे चुनाव आयोग का कोई अस्तित्व ही नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। लोगों के मन में यह सवाल आना बिल्कुल जायज है कि राजीव कुमार जी, जो मुख्य चुनाव आयुक्त हैं, इस महीने के अंत में सेवानिवृत्त हो रहे हैं, सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें किस तरह का पद ऑफर किया गया है? राज्यपाल का पद, राष्ट्रपति का पद, यह किस प्रकार का पद हो सकता है? आप नेता ने कहा कि मैं राजीव कुमार जी से हाथ जोड़कर विनती करता हूं। अपना कर्तव्य निभाओ, पद की इच्छा छोड़ो, पद का लोभ छोड़ो। अब अपने करियर के अंत में देश को, देश के लोकतंत्र को नष्ट मत करो।

आप में ये भगदड़ क्यों मची है ?

केजरीवाल-सिसोदिया पर अमित शाह का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। बिजवासन विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली को शराब माफियाओं, घोटालेबाजों और कट्टर बेईमानों से मुक्त करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि 10 साल तक आम आदमी पार्टी और केजरीवाल ने जनता को धोखा देने का काम किया है। कनेक्टिविटी के नाम पर ऐसी सड़कें दीं कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, ये पता ही नहीं चलता। पाइप के माध्यम से ये प्रदूषित पानी भेजने का काम कर रहे हैं। मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर 65,000 फर्जी टेस्ट कराने का घोटाला इन्होंने किया। अमित शाह ने कहा कि बारिश में बिजवासन तो छोड़िए, बल्कि आधी दिल्ली तालाब बन जाती है। केजरीवाल पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि इन्होंने अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया। इसलिए आज इनके 50: से ज्यादा विधायक इन्हें छोड़ चुके हैं। केजरीवाल

जी, आपके यहां ये भगदड़ क्यों मची है? शाह ने कहा कि आज मैं नई दिल्ली वालों की ओर से आपको बताने आया हूं कि वहां केजरीवाल स्वयं चुनाव हार रहे हैं। दिल्ली की जनता इस झूठे व्यक्ति को जान गई है। भाजपा नेता ने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि अन्ना हजारे के आंदोलन के दौरान इन्होंने (केजरीवाल) कहा था कि हम राजनीतिक पार्टी नहीं बनाएंगे, लेकिन इन्होंने पार्टी बनाई। इन्होंने कहा था कि हम गाड़ी नहीं लेंगे, लेकिन गाड़ी ली, इन्होंने कहा था कि सिक्योरिटी नहीं लेंगे, लेकिन सिक्योरिटी ली, इन्होंने कहा था कि बंगला नहीं लेंगे, लेकिन इन्होंने अपने लिए 52 करोड़ रुपये का 50 हजार गज का शीश महल बना लिया। शाह ने कहा कि केजरीवाल ने घोटालों की भरमार कर दी। हजारों करोड़ का शराब घोटाला किया और मंदिर, स्कूल, गुरुद्वारे के पास शराब की दुकानें खोल दी। 28,400 करोड़ का जल बोर्ड का घोटाला किया। 4,500 करोड़ का डीटीसी बस घोटाला किया। 1,300 करोड़ का क्लास रूम घोटाला किया। 571 करोड़ का सीसीटीवी घोटाला किया और 65,000 नकली टेस्ट का घोटाला किया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़कर आए केजरीवाल स्वयं भ्रष्टाचार की मूर्ति बन गए और बड़े मियां–छोटे मियां दोनों शराब घोटाले में जेल गए। यमुना पानी पर चल रहे

लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष का भारी हंगामा

नयी दिल्ली, एजेसी। लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने प्रश्नकाल के दौरान प्रयागराज कुंभ में व्यवस्था को लेकर सोमवार को भारी हंगामा किया, लेकिन अध्यक्ष ओम बिरला ने हंगामे की परवाह किए बिना भारी शोर शराबे और नारेबाजी के बीच भी प्रश्नकाल जारी रखा। अध्यक्ष ने जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की, विपक्षी सदस्यों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। श्री बिरला ने कहा कि सदस्यों को जानना चाहिए कि राष्ट्रपति के भाषण पर चर्चा होनी है और माननीय राष्ट्रपति जी ने भी कुंभ का जिक्र अपने अभिभाषण में किया है। सदन में व्यवस्था है कि प्रश्नकाल के दौरान किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं की जा सकती तो सदस्यों को शांतिपूर्वक प्रश्नकाल चलने देना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी हस्तक्षेप करते हुए प्रश्नकाल बाधित न करने का सदस्यों से आग्रह किया और कहा कि अध्यक्ष जी भी इसी तरह का बार–बार अनुरोध कर रहे हैं लेकिन सदस्य सिर्फ व्यवधान पैदा करना चाहते हैं। सदस्य अपनी बात को राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान भी उठा सकते हैं।

धनखड़ ने युवाओं को सशक्त बनाने का आह्वान किया

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि युवाओं को शिक्षा, अवसर और जिम्मेदारी की भावना से सशक्त बनाकर एक अधिक समावेशी और टिकाऊ भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। श्री धनखड़ ने सोमवार को राज्यसभा के 267वें सत्र का प्रारंभ करते हुए कहा कि एक जीवंत और क्रियाशील संसद लोकतंत्र की जीवनरेखा है। उन्होंने कहा, "इस

पवित्र सदन में, बहुलवादी, गतिशील और आकांक्षी समाज की आवाज़ें मिलती हैं, खासकर हमारे युवाओं की, जो हमारे देश की असीम ऊर्जा और सपनों का प्रतिनिधित्व करते हैं।" उन्होंने कहा कि युवाओं को शिक्षा, अवसर और जिम्मेदारी की भावना से सशक्त बनाकर, हम एक अधिक समावेशी और टिकाऊ भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। सभापति ने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार का एक शानदार उत्सव है। यह विविधता में एकता, सामूहिक कल्याण, तथा सत्य, सहिष्णुता और सद्भाव के प्रति स्थायी प्रतिबद्धता के दर्शाता है। उन्होंने सदन की पवित्रता और गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि सदन में बहस और निर्णय राष्ट्र की सेवा की महान आकांक्षाओं से प्रेरित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी मतभेदों को दूर करते हुए मिलकर ऐसी नीतियां बनाई जानी चाहिए जो वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को ऊंचा उठाएं।

कांग्रेस नेताओं ने ली स्वर्णिम दिल्ली के हर सपने को पूरा करने की शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी की दिल्ली इकाई का घोषणा पत्र केवल चुनावी वादा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजधानी को स्वर्णिम दिल्ली बनाने और नागरिकों के हर सपने को पूरा करने की प्रतिज्ञा है। कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान पार्टी के नेताओं ने दिल्ली का वायु प्रदूषण दूर करने, साफ पानी का प्रबंध करने, दिल्ली को कूड़ा मुक्त करने और यमुना की सफाई करने तथा स्वर्णिम दिल्ली के हर सपने को पूरा करने की प्रतिज्ञा ली। इसके साथ ही गरीबों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों और पूर्वांचल के लोगों के हितों का संरक्षण करने, बहनों के खाते में 2,500 रुपये प्रति माह डालने, लोगों को 25 लाख रुपए तक के

मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया कराने, युवाओं की पहली नौकरी पक्की करने, लोगों को 300 यूनिट बिजली मुफ्त में देने, महंगाई से मुक्ति दिलाने, 500 रुपए में गैस सिलिंडर और राशन किट देने की शपथ ली। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है और वह मजबूती के साथ कांग्रेस के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा, "आज हमें ऐसा लग रहा है कि दिल्ली के लोग कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। दिल्ली की जनता द्वारा कांग्रेस को मिल रहे प्यार और आशीर्वाद के लिए मैं पूरी पार्टी की तरफ से दिल्ली का धन्यवाद करता हूं।" उन्होंने कहा, "कांग्रेस के समय श्रीमती शीला दीक्षित ने दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाया था, लेकिन पिछले 10 साल में वो स्वर्णिम काल खत्म हो चुका है। इसलिए आज हमें कांग्रेस वाली दिल्ली वापस लाने की जरूरत है। जब दिल्ली में कांग्रेस की सरकार शीला दीक्षित के समय थी तो 100 यूनिट बिजली फ्री देती थी। बुजुर्गों को पेंशन दिया करती थी। सोशल सिक्योरिटी के लिए काम करती थी। बच्चों के लिए स्कॉलरशिप की व्यवस्था करती थी। हमें पूरा विश्वास है कि कांग्रेस दिल्ली में एक मजबूत सरकार बनाने जा रही है।" वहीं, नयी दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने कहा, "श्री केजरीवाल अपने शिक्षा और स्वास्थ्य मॉडल की बात करते हैं, लेकिन जब हमने सवाल पूछे तो आज तक जवाब नहीं दिया।"

त्रिवेणी तट पर जनसैलाब, नागा साधु बने आकर्षण का केंद्र

महाकुम्भ नगर, एजेंसी। महाकुम्भ 2025 के अंतिम अमृत स्नान 'बसंत पंचमी' के अवसर पर गंगा,यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। इस दौरान नागा साधुओं का अद्भुत प्रदर्शन श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुका है। अधिकृत जानकारी के अनुसार आज करीब पांच करोड़ स्नानार्थियों के संगम में डुबकी लगाने का अनुमान है और इस क्रम में सुबह आठ बजे तक 62 लाख से अधिक श्रद्धालु त्रिवेणी में स्नान कर चुके थे जिन्हे मिला कर अब तक महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी में डुबकी लगाने वालों की संख्या 35 करोड़ के करीब पहुंच चुकी है। मौनी अमावस्या को हुये हादसे से सबक लेकर पुलिस ने इस बसंत पंचमी स्नाना पर्व पर सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किये हैं। मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं को स्नान के बाद तुरंत प्रस्थान करने को कहा जा रहा है। वहीं प्रयागराज के विभिन्न घाटों में श्रद्धालु

स्नान कर रहे हैं और उन्हे वहीं से वापस किया जा रहा है। संगम क्षेत्र में वाहनों का प्रवेश पूर्णतः निषेध है और कोई भी वीआईपी पास अथवा प्रोटोकाल आज मान्य नहीं है। मेला क्षेत्र में सिर्फ पुलिस प्रशासन के वाहनों के अलावा एबुंलेंस को ही परिचालन की अनुमति है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिये पब्लिक एड्रेस सिस्टम के अलावा ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जा रही है। प्रदेश में पुलिस के कई आला अधिकारियों की ड्यूटी इस अवसर पर विशेष रुप से कुंभ मेला क्षेत्र में लगायी गयी है जो पल पल की जानकारी लखनऊ में बैठे आला अधिकारियों को दे रहे हैं। आज सुबह से ही संगम के तट पर अखाड़ों का स्नान ध्यान का क्रम अनवरत जारी है जो दोपहर तीन बजे तक चलने का अनुमान है। त्रिवेणी तट पर इन साधुओं की पारंपरिक और अद्वितीय गतिविधियां सभी का ध्यान आकर्षित कर रही हैं वहीं हेलीकाप्टर से हो रही पुष्प वर्षा मेला क्षेत्र में आस्था का रस घोल रही है। अमृत स्नान के लिए ज्यादातर अखाड़ों का नेतृत्व कर रहे इन नागा साधुओं का अनुशासन और उनका पारंपरिक शस्त्र कौशल देखने लायक था। कभी डमरू बजाते हुए तो कभी भाले और तलवारें लहराते हुए, इन साधुओं ने युद्ध कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। लाठियां भांजते और अठखेलियां करते हुए ये साधु अपनी परंपरा और जोश का प्रदर्शन कर रहे थे। बसंत पंचमी के अमृत स्नान के लिए निकली अखाड़ों की शोभा यात्रा में कुछ नागा साधु घोड़ों पर सवार थे तो कुछ पैदल चलते हुए अपनी विशिष्ट वेशभूषा और आभूषणों से सजे हुए थे। जटाओं में फूल, फूलों की मालाएं और त्रिशूल हवा में लहराते हुए उन्होंने महाकुम्भ की पवित्रता को और भी बढ़ा दिया। स्व–अनुशासन में रहने वाले इन साधुओं को कोई रोक नहीं सकता था, लेकिन वो अपने अखाड़ों के शीर्ष पदाधिकारियों के आदेशों का पालन करते हुए आगे बढ़े। नगाड़ों की गूंज के बीच उनके जोश ने इस अवसर को और भी खास बना दिया।

हजारों श्रद्धालुओं का मददगार बना महाकुम्भ का डिजिटल खोया-पाया केंद्र

योगी सरकार की दूरदर्शिता से महाकुम्भ 2025 बना सुरक्षित और सुव्यवस्थित

महाकुम्भ नगर महाकुम्भ मेला 2025 अपने भव्य स्वरूप और श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व उपस्थिति के साथ ही ऐतिहासिक आयोजन बन चुका है। इस दिव्य आयोजन को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रदेश की योगी सरकार ने कई अनुकरणीय पहल किए हैं। इस बार महाकुम्भ में खोए हुए लोगों को शीघ्रता से उनके परिवारों से मिलाने के लिए योगी सरकार ने डिजिटल खोया–पाया केंद्रों की स्थापना की है, जिससे अबतक हजारों श्रद्धालुओं और उनके परिजनों को राहत मिली है।

हजारों परिवारों को मिली राहत

इस बार के कुंभ में बिछड़े हुए 13 हजार से अधिक लोगों को उनके परिवारों से मिलाने में सरकार को सफलता मिली है। इनमें 64 फीसदी से अधिक संख्या महिलाओं की रही। यही नहीं पुलिस द्वारा 23 विभिन्न राज्यों और नेपाल से आए श्रद्धालुओं का उनके परिवारों से सफलतापूर्वक पुनर्मिलन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। परिवार से बिछड़ने वालों में नेपाल से आए 11 लोगों के केस भी दर्ज किए गए, जिनका शीघ्र ही उनके परिवारों से पुनर्मिलन कराया गया।पावन पर्व मौनी अमावस्या के दौरान भी भीड़ का प्रबंधन करते हुए डिजिटल खोया–पाया केंद्रों ने बड़ी संख्या में बिछड़े श्रद्धालुओं को उनके परिवार से मिलाया। इस दौरान साढ़े सात से अधिक गुम हुए लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया।

मुख्यमंत्री के निर्देशों का हुआ सख्ती से पालन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 7 दिसंबर 2024 को डिजिटल प्रणाली के जरिए खोया–पाया केंद्रों का शुभारंभ किया

था। इस के साथ ही मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन और मेला प्राधिकरण को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी श्रद्धालु को परेशानी न हो। इसी के तहत 10 डिजिटल खोया–पाया केंद्र स्थापित किए गए, जो संगम, झूसी, अरैल, फाफामऊ में सेक्टर 3, 4, 5, 8, 9, 21, 23, 24 और प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन के पास स्थित हैं।

तकनीक और मानवता का दिखा अद्भुत समन्वय

डिजिटल खोया–पाया केंद्रों में अत्याधुनिक एआई आधारित चेहरा पहचान प्रणाली, मशीन लर्निंग और बहुभाषीय समर्थन जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इससे मेला क्षेत्र में बिछड़े हुए श्रद्धालुओं को तेजी से उनके परिवारों से मिलाया जा सका है। डिजिटल खोया–पाया केंद्रों में उत्तर प्रदेश पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों की अहम भूमिका रही। यूनिसेफ सहित कई गैर–सरकारी संगठनों ने भी इसमें सक्रिय योगदान दिया।

हर जरूरतमंद को दी जा रही आवश्यक सुविधाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत इन केंद्रों पर प्रतीक्षा कक्ष, चिकित्सा कक्ष, शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं ताकि पुनर्मिलन प्रक्रिया के दौरान किसी भी व्यक्ति को असुविधा न हो।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि महाकुम्भ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सेवा और सुशासन का भी प्रतीक बने। इसी के तहत डिजिटल खोया–पाया केंद्रों की स्थापना की गई है। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए श्रद्धालु नजदीकी डिजिटल खोया–पाया केंद्र से संपर्क कर सकते हैं या आधिकारिक हेल्पलाइन 1920 पर कॉल कर सकते हैं।

बसंत पंचमी के पर्व पर सभी अखाड़े करेंगे संगम में अमृत स्नान

अखाड़ों में हो रही है पूरे उमंग और उत्साह के साथ बसंत पंचमी के अमृत स्नान की तैयारियां
सोशल मीडिया में फैलाये जा रहे भ्रम का साधु-संन्यासियों ने किया खण्डन

महाकुम्भ नगर। सनातन आस्था के महापर्व महाकुम्भ में बसंत पंचमी के अमृत स्नान की तैयारियां पूरे उमंग और उत्साह के साथ चल रही हैं। अखाड़े के संतों और श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं है। करोड़ों की संख्या श्रद्धालु संगम में अमृत स्नान करने प्रयागराज आ रहे हैं। अखाड़ों में साधु–संन्यासियों के रथ, हाथी, घोड़े सज रहे हैं। अखाड़ों में परंपरा अनुसार पूजा पाठ हो रहा है। सीएम योगी के निर्देशों के अनुरूप मेला प्रशासन सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर रहा है। ताकि महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं और साधु–संन्यासियों को किसी तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। महाकुम्भ को लेकर सोशल मीडिया पर जो भ्रम फैलाया जा रहा है साधु–संतों और श्रद्धालुओं ने उसका पूरी तरह खण्डन किया है।

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने कहा कि सभी अखाड़े करेंगे बसंत पंचमी पर्व पर अमृत स्नान

बसंत पंचमी के अमृत स्नान के बारे में बताते हुए अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने कहा कि बसंत पंचमी के दिन सभी 13 अखाड़े परंपरा का पालन करते हुए दिव्य भव्य अमृत स्नान करेंगे। मुख्यमंत्री योगी जी की ओर से प्रशासन की उत्तम व्यवस्था की गई है। सभी अखाड़ों में अमृत स्नान की तैयारियां चल रही हैं। साधु – संन्यासियों के रथ, घोड़े तैयार हो रहे हैं। ईश्वर के आशीर्वाद से सभी अखाड़े सोमवार को संगम में अमृत स्नान करेंगे। निरंजनी अखाड़े के पीठाधीश्वर कैलाशानंद ने भी कहा कि बसंत पंचमी के अमृत स्नान को लेकर अखाड़ों में कोई भ्रम की स्थिति नहीं है। सभी अखाड़े बसंत पंचमी का अमृत स्नान करेंगे। सीएम योगी जी ने महाकुम्भ में उत्तम व्यवस्था की है, सभी अखाड़े अपनी परंपरा और प्रशासन व्यवस्था का पालन करते हुए अमृत स्नान करेंगे।

अखाड़ों में हो रही हैं अमृत स्नान की भव्य तैयारियां

बसंत पंचमी का पर्व महाकुम्भ का तीसरा और अखिरी अमृत स्नान है। परंपरा अनुसार सभी अखाड़े अपने–अपने क्रम से पवित्र संगम में अमृत स्नान करेंगे। अखाड़ों के सभी पदाधिकारियों, महंत, अध्यक्ष, मण्डलेश्वरों महामण्डलेश्वरों के रथ, हाथी, घोड़ों, चांदी के हौदों की साज–सज्जा फूल,मालों और तरह–तरह के आभूषणों से की जा रही है। महामण्डलेश्वरों के रथों पर भगवान की मूर्तियां, शुभ चिन्हों, पशु–पक्षियों, कलश आदि का अलंकरण किया जा रहा है। नागा और बैरागी संन्यासी मध्य रात्रि से तन पर भस्म रमा कर अखाड़ों की धर्म ध्वजा और ईष्ट देव का पूजन करेंगे। सयम और क्रम के अनुसार सभी अखाड़े अपने ईष्ट देवों की पालकियां लेकर संगम की ओर प्रस्थान करेंगे। उनके साथ मण्डलेश्वरों और महामण्डलेश्वरों के रथ और घोड़ों के साथ उनके भक्तगण भी अमृत स्नान करने के लिए तैयारियां कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं के उत्साह में नहीं है कोई कमी

महाकुम्भ के तीसरे अमृत स्नान को लेकर श्रद्धालुओं के जोश और उत्साह में भी कोई कमी नहीं है। 01 फरवरी से ही करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु महाकुम्भ में पवित्र स्नान करने प्रयागराज आ रहे हैं। बसंत पंचमी के पर्व पर 5 करोड़ श्रद्धालुओं के पवित्र संगम में स्नान करने का अनुमान है। भीड़ प्रबंधन के लिए प्रशासन योजनाबद्ध तरीक से पूरी मुस्तैदी से मेला क्षेत्र में कार्यरत है। जगह–जगह रूट डायवर्जन और बैरीकेडिंग का प्रयोग किया जा रहा है। आने और जाने के एकल मार्ग की योजना से श्रद्धालुओं को संगम तक पहुंचाया जा रहा है। स्नान कर स्टेशन और बस अड्डों की ओर लौटने के लिए अलग मार्गों का प्रयोग किया जा रहा है। मेला क्षेत्र में वाहन प्रवेश पर्व के दिन पूरी तरह प्रतिबंधित रखा गया है। आकस्मिक आपदा या भगदड़ की स्थिति से निपटने के लिए ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था को चाक चौबंद रखा गया है। ताकि जरूरत पड़ने पर एनडीआरफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन की गाड़ियां और एम्बुलेंस तत्काल घटना स्थल तक पहुंच सकें।

बसंत पंचमी का अमृत स्नान सम्पन्न कराने को प्रशासन ने तैयार की विशेष योजना

कुल 6 चरणों में लागू होगी विशेष योजना, नए अधिकारियों को भी मिलेगी अहम जिम्मेदारी

बैरियर और बैरिकेडिंग सुदृढ़ करने को प्राथमिकता

महाकुम्भ नगर।बसंत पंचमी के अमृत स्नान पर्व को लेकर महा कुम्भ प्रशासन ने महा कुम्भ क्षेत्र में आवागमन और भीड़ को एक जगह जमा होने से रोकने के लिए विशेष योजना बनाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इसमें नए अधिकारियों की जिम्मेदारी और नए सिरे से पुलिस बल का डिप्लॉयमेंट भी शामिल है।

बसंत पंचमी स्नान पर्व पर लागू होगी 6 स्तरीय विशेष योजना

बसंत पंचमी के स्नान पर्व को देखते हुए महा कुम्भ प्रशासन ने पुलिस के डेप्लायमेन्ट प्लान में सुदृढ़ीकरण के लिए 6 चरणों की विशेष योजना तैयार की है। इसके अंतर्गत सबसे पहले वर्तमान में मौजूद सीएपीएफ एवं पीएसी कम्पनियों का रि–डेप्लायमेन्ट किया जायेगा। साथ ही अतिरिक्त राजपत्रित पुलिस अधिकारीगण की तैनाती की जाएगी।

महा कुम्भ क्षेत्र में बैरियर एवं बैरिकेडिंग का सुदृढ़ीकरण भी किया जायेगा। महा कुम्भ क्षेत्र में लगे

साइनेजेज को पर्याप्त ऊंचाई एवं दृश्य स्थानों पर लगवाया गया है। आई ट्रिपल सी की तरफ से द्वारा एलर्ट मैसेज की संख्या में बढ़ोत्तरी की गई है। इसके साथ ही सबसे महत्वपूर्ण कार्य संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल की तैनाती का किया गया है।

अखाड़ा क्षेत्र की पुलिस का रिडेप्लॉयमेंट

इस नई योजना के अंतर्गत अखाड़ा क्षेत्र में सीएपीएफ की 07 कंपनियों को हटाकर आवश्यक नए क्षेत्रों में लगाया जाएगा। इसमें 03 कंपनी को दक्षिणी झूंसी क्षेत्र, 02 कंपनी उत्तरी झूंसी क्षेत्र में 02 प्लाटून शास्त्री पुल में और एक एक प्लाटून काली रैम्प से अपर संगम मार्ग क्षेत्र में एवं काली अपर संगम मार्ग से संगम क्षेत्र में लगाई जाएगी।

स्नानघाट सर्कुलेटिंग एरिया में रेडिप्लॉयमेंट

स्नान घाट का संगम क्षेत्र सबसे अधिक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां स्नान घाट सर्कुलेटिंग एरिया संगम से एक कंपनी दो प्लाटून महिला सीआर पीएफ का रिडिप्लॉयमेंट होगा। इस नवीन ड्यूटी में एक प्लाटून गंगा मूर्ति तिराहे पर, एक प्लाटून जीटी जवाहर पर और एक कंपनी अखाड़ा मार्ग पर ड्यूटी शामिल है। संगम क्षेत्र में अतिरिक्त सीएपीएफ की तैनाती की गई है। इसके अंतर्गत संगम क्षेत्र को 06 कम्पनी सीएपीएफ अतिरिक्त दी गयी है। इसमें 03–03 कम्पनियों की दो शिफ्टों में ड्यूटी संगम घाट मे लगायी जायेगी ।

अतिरिक्त गजटेड पुलिस अधिकारियों की तैनाती

बसंत पंचमी के स्नान पर्व पर पुराने अनुभवी गज टेड पुलिस अधिकारियों को भी ड्यूटी पर लगाया जायेगा। इसमें पुलिस अधीक्षक स्तर के चार अधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के तीन अधिकारियों को भी ड्यूटी में लगाया जाएगा। इस तरह नवीन पुलिस अधिकारियों की ऊर्जा और पुराने पुलिस अधिकारियों के अनुभव दोनो को उपयोग किया जायेगा।

बैरियर एवं बैरिकेडिंग का मजबूत बनाना

कुम्भ मेला क्षेत्र के 12 बैरियर एवं बैरिकेडिंग का विशेष सुदृढ़ीकरण किया गया है। इसके अंतर्गत

काली मार्ग पर पड़ने वाले सभी बैरियर व बैरिकेडिंग,

त्रिवेणी मार्ग पर पड़ने वाले सभी बैरियर व बैरिकेडिंग, नागवासुकी रैम्प के सभी बैरियर व बैरिकेडिंग, गंगा मूर्ति तिराहे की सभी बैरियर व बैरिकेडिंग, जी.टी. जवाहर चौराहे की सभी बैरियर व बैरिकेडिंग, फोर्ट चौराहे की सभी बैरियर व बैरिकेडिंग, अखाड़ा प्रवेश एवं वापसी मार्ग के सभी बैरियर व बैरिकेडिंग, समस्त पाण्टून पुल के सभी बैरियर व बैरिकेडिंग, ओल्ड जीटी मार्ग के सभी बैरियर व बैरिकेडिंग, लोवर संगम मार्ग के सभी बैरियर व बैरिकेडिंग, मुक्ति मार्ग के सभी बैरियर व बैरिकेडिंग और दक्षिण झुंसी, उत्तरी झूसी व अखाड़ा क्षेत्र के समस्त गाटा मार्गों के सभी बैरियर व बैरिकेडिंग शामिल हैं।

संवेदनशील 11 स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती

प्रशासन की तरफ से 11 संवेदनशील स्थानों को चिन्हित किया गया है। यहां पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। इन स्थानों में टीकरमाफी, गंगामूर्ति चौराहा, नागवासुकी रैम्प, काली रैम्प, अपर संगम मार्ग, जी. टी. जवाहर चौराहा, झूसी से परेड आने वाले समस्त पीपा पुल, झुंसी क्षेत्र में जगदीश मार्ग, महावीर मार्ग, अक्षयवट मार्ग, त्रिवेणी मार्ग, काली मार्ग, छतनाग मार्ग, अखाड़ा वापसी मार्ग से सटा हुआ गंगा प्रसार क्षेत्र,ओल्ड जीटी घाट से सम्पूर्ण ओल्ड जीटी मार्ग क्षेत्र शामिल है। यहां पर 37 क्यूआरटी 01 कम्पनी पीएसी रिजर्व में लगाई गई है।

साइनजेज और एलर्ट पर बदलाव

संगम से वापस जाने वाले सभी श्श्रद्धालुओं को साइनेज पूरी तरह से दिख सकें ।

तकनीक का सहारा, स्वच्छ निर्मल हुई भगवती गंगा की धारा

महाकुम्भ के पहले ही उत्तर प्रदेश जल निगम, नगरीय ने लगाया था जियो ट्यूब तकनीक आधारित ट्रीटमेंट प्लांट

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ को दिव्य–भव्य–स्वस्थ और स्वच्छ बनाने में प्रयागराज नगर निगम ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। इस दिशा में ही यूपी जल निगम, नगरीय ने प्रयागराज में जियो ट्यूब तकनीक आधारित ट्रीटमेंट प्लांट लगाया है, जो शहर के सभी 23 अनटैप्ड नालों के अपशिष्ट जल का शोधन कर रहे हैं. तीर्थराज प्रयागराज में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना के महासमागम 'महाकुम्भ 2025' शुरू होने से पहले ही मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया था कि गंगा नदी में किसी भी नाले का पानी बिना ट्रीट किए नहीं डाला जाएगा। इसी का पालन करते हुए अस्थायी ट्रीटमेंट प्लांट लगाए गए, जिससे गंगा जी के जल को स्वच्छता के मानकों के अनुरूप निर्मल व अविरल बनाने में मदद मिल रही है। प्रतिदिन 100 से 130 एमएलडी पानी जियो ट्यूब तकनीक से ट्रीट करने के बाद गंगा जी में छोड़ा जा रहा है । 14 दिनों का ट्रायल रन कर किया गया प्लांट का संचालन

उत्तर प्रदेश जल निगम, नगरीय ने शहर के सभी 23 अनटैप्ड नालों के ट्रीटमेंट के लिए जियो ट्यूब तकनीकी आधारित ट्रीटमेंट प्लांट, राजापुर में लगाया है। सहायक अभियंता प्रफुल्ल कुमार सिंह ने बताया कि यह ट्रीटमेंट प्लांट 14 दिनों के ट्रायल रन के बाद 01 जनवरी से अपनी पूरी क्षमता से कार्य कर रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में सात अलग–अलग साइटों शिवकुटी, एडीए, सलोरी, ससुरखेदरी, जोंडेलवाल, राजापुर और सदर बाजार से आ रहे नालों को बंधा बनाकर टैप किया जा रहा है। टैपिंग के बाद पम्प इंस्टॉल कर पॉलीमर और पीएसी दोनों केमिकल मिलाकर इन नालों के पानी को 25 मीटर के 7 अलग अलग जियो ट्यूब में भेजा जाता है। इन दोनों केमिकल की डोजिंग से पानी में मौजूद गंदगी जियो ट्यूब में जाकर धीरे– धीरे बैठने लगती है और ट्यूब के पोर्स से पानी बाहर निकलने लगता है। जियो ट्यूब में पानी जाने के बाद इसमें कंपन्न बना रहे, इसके लिए लेबर मैनुअली इसे डंडे से पीटते हैं। यहां से निकलने वाला पानी सीधे ड्रेन में स्टॉल कैविटेशन टैंक में जाता है, जहां इस पानी में हाइड्रोजन पैराऑक्साइड मिलाया जाता है । पूरी प्रक्रिया की 24 घंटे की जाती है ऑनलाइन मॉनिटरिंग

सहायक अभियंता प्रफुल्ल कुमार सिंह ने बताया कि पानी को और शुद्ध और डिसइन्फेक्ट बनाने के लिए ओजोनाइजेशन किया जाता है। यह वह प्रक्रिया है, जिसमें ओजोन गैस (ö3) का उपयोग पानी को साफ करने के लिए किया जाता है । इस प्रक्रिया के लिए पानी टैंक से खुले तालाब में खुला छोड़ दिया जाता है, ताकि पानी में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ सके। इसके बाद पानी से झाग अलग किया जाता है । यह आधुनिक तकनीक सीवेज वाटर का बीओडी लेवल 30: और 80: टीएसएस जियो ट्यूब्स में ही शुद्ध कर देती है। हाइड्रोजन पैरॉक्साइड और ओजोनाइजेशन से पानी को पूरी तरह शुद्ध कर नदियों में छोड़ दिया जाता है। इस प्लांट की खासियत है कि इसमें क्लोरीनाइजेशन की जगह ओजोनाइजेशन किया जाता है, ताकि जलीय जीवों को नुकसान न हो। 24 घंटे इस पूरी प्रक्रिया की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाती है। महाकुंभ के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं को स्वच्छ और निर्मल गंगा जल में स्नान का अनुभव देने के लिए यह व्यवस्था की गई है। 1 जनवरी से यह प्लांट पूरी क्षमता के साथ काम कर रहा है। जलीय जीवन के संरक्षण में भी मददगार जियो ट्यूब तकनीक इस प्रोजेक्ट के इंचार्ज मैकेनिकल इंजीनियर राजेंद्र सैनी ने बताया कि जियो ट्यूब तकनीकि सीवेज वाटर ट्रीटमेंट की आधुनिक तकनीक है । इस ट्रीटमेंट प्लांट में क्लोरीनाइजेशन की जगह ओजोनाइजेशन किया जाता है, क्योंकि ट्रीटेड पानी में अधिक मात्रा में घुला क्लोरीन जलीय जीवों के लिए नुकसानदेह होता है।

वेद,वेदांग और गुरु ग्रन्थ साहिब की वाणी की त्रिवेणी है श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल

समता, सहजता और सेवा की त्रिवेणी अखाड़े का मूलमंत्र

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ में सनातन धर्म के ध्वज वाहक अखाड़ा सेक्टर में निरंतर रौनक दिख रही है। श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल में वेद वेदांग और गुरुवाणी का अद्भुत संगम है। निर्मल पंथ से इसे शास्त्रों, वेद और वेदांगो की शिक्षाओं के अध्ययन का मार्ग मिला तो वहीं 1682 में खालसा पंथ की स्थापना से असहायों की पीड़ा हरने और शत्रु को सबक सिखाने के लिए शस्त्र की दीक्षा की राह मिली। इस तरह इस अखाड़े में शास्त्र और शस्त्र दोनों को स्थान मिला, जो इसके संगठन, संरचना, व्यवस्था और परंपराओं में भी प्रतिध्वनित होता है।

सहजता, समता और सेवा भाव की सर्वोच्चता

सनातन धर्म के 13 अखाड़ों में वैभव और प्रदर्शन की झलक मिलती है। इनके मध्य श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल अपनी सहजता, समता और सेवा भाव के लिए अलग पहचान दर्ज कराता है। इस पंथ में इनके दस गुरुओं ने अपने शिष्यों को सेवा और भक्ति का जो संदेश दिया, उसे संकलित कर तैयार ग्रंथ गुरु ग्रन्थ साहिब (वेद का दर्जा प्राप्त) की गुरु वाणी को सर्वाधिक महत्व दिया जाता है। इसमें सभी जातियों के गुरु और भक्तों की वाणी शामिल है। यही इसके आचरण में दृष्टिगत भी होती है। इसमें जातिभेद के लिए जगह नहीं है। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र सब एक साथ लंगर में प्रसाद छकते हैं। पंगत और संगत साथ करते हैं। अखाड़े में हर समय गुरु वाणी और कीर्तन का पाठ होता है, जिसमें सेवा और सहजता के दर्शन होते हैं।

शास्त्र और शस्त्र की सांझी परंपरा का प्रतीक है निर्मल अखाड़ा

अखाड़ों के आखिरी चरण में गठित श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल हिंदू सनातन परंपरा की सभी व्यवस्थाओं की साझा विरासत है। सन 1682 में पंजाब के पटियाला में राजा पटियाला के सहयोग से इस अखाड़े का गठन किया गया। इसके संस्थापक बाबा श्री महंत मेहताब सिंह वेदांताचार्य हैं। अखाड़े का प्रारंभिक मुख्यालय पटियाला था, लेकिन अब कनखल हरिद्वार हो गया है। अखाड़े के सचिव महंत देवेंद्र सिंह शास्त्री बताते हैं कि ज्ञान देव सिंह इसके वर्तमान अध्यक्ष हैं। साक्षी महराज इसके आचार्य महामंडलेश्वर हैं। इसके अलावा 5 महामंडलेश्वर भी हैं। इसका संचालन देखने वाली कार्यकारिणी में 25 से 26 संत होते हैं। इसके अंतर्गत अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष या कोठारी, मुकामी महंत होते हैं। इसकी सबसे छोटी ईकाई विद्यार्थी है। देश भर में इसकी 32 शाखाएं हैं। अखाड़े के पंच ककार होते हैं– कड़ा, कंघा, कृपाण, केश और कच्छा, जिसे सभी सदस्य धारण करते हैं। नीले रंग के वस्त्र धारी निहंग, भगवा वस्त्र धारी संत और श्वेत वस्त्र धारी विद्यार्थी कहलाते हैं।

बसंत पंचमी के स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं को महाकुम्भ पहुंचाने को रोडवेज ने कसी कमर

श्रद्धालुओं की घर वापसी के लिए 2500 रोडवेज बसें आरक्षित, हर 15 मिनट में मिलेगी बस

महा कुम्भ की कनेक्टिविटी के लिए हर 2 मिनट में शटल सेवा

प्रयागराज महकुम्भ के बसंत पंचमी अमृत स्नान पर्व में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का जन सैलाब महा कुम्भ पहुंच रहा है। शहर के चारों तरफ बनाए गए अस्थाई बस स्टेशन में जहां रोडवेज का बसों का बेड़ा तैयार है तो वहीं इन अस्थाई बस स्टेशन से महाकुम्भ के नजदीक के स्थानों तक श्रद्धालुओं को पहुंचाने के लिए 550 शटल बसें मौजूद हैं। रोडवेज अधिकारियों के मुताबिक हर 2 मिनट में शटल सेवा उपलब्ध है। बस स्टेशन में भीड़ न होने पाए इसके लिए भी अलग से व्यवस्था की गई है।

महाकुम्भ नगर।प्रयागराज में त्रिवेणी के तट पर लगे आस्था के जन समागम में बसंत पंचमी स्नान पर्व के पहले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का जन सैलाब उमड़ रहा है। यूपी रोडवेज ने इन आगंतुकों को वापस उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए कमर कस ली है। अलग से आरक्षित बसों के अलावा कनेक्टिंग सेवा के लिए शटल बसों का बेड़ा भी तैयार है।

बसंत पंचमी में श्रद्धालुओं की घर वापसी के लिए 2500 रोडवेज बसें आरक्षित, हर 15 मिनट में मौजूद होगी बस

प्रयागराज महाकुम्भ में दो फरवरी के शाम तक तकरीबन 35 करोड़ ने त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगा ली। प्रदेश की योगी सरकार इन्हें सकुशल सुव्यवस्थित इन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचाने के लिए पूरी तन्मयता से कार्य कर रही। यूपी रोडवेज ने अब बसंत पंचमी के स्नान के लिए अपनी कमर कस ली है। यूपी रोडवेज ने बसंत पंचमी के स्नान पर्व में आगंतुकों की वापसी के लिए 2500 बसें अलग से आरक्षित कर ली हैं। महाकुंभ क्षेत्र से चार अस्थाई बस स्टेशन पहुंच रहे आगंतुकों के लिए हर 15 मिनट में रोडवेज बस मिलेगी। इसमें भी सबसे अधिक झूसी में बनाए गए रोडवेज के अस्थाई बस स्टेशन में 1500 बसें, लखनऊ की जाने के लिए बेला कछार में बनाए गए बस स्टेशन में 600 बसें, कानपुर की तरफ जाने वाले आगंतुकों के लिए नेहरू पार्क बस स्टेशन में 300 और मिर्जापुर बांदा की तरफ जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए लेप्रोसी अस्थाई बस स्टेशन में 100 रोडवेज बसें आरक्षित हैं।

महाकुम्भ डयूटी हेतु आए 200 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों ने सीखे भीड़ प्रबंधन के गुर

महाकुम्भ नगर।महाकुम्भ रिजर्व पुलिस लाइन्स परेड के संकल्प प्रशिक्षण पण्डाल में लखनऊ हेडक्वार्टर से महाकुम्भ ड्यूटी हेतु आए हुए 200 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों को अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन, प्रयागराज श्री भानु भास्कर पै्, पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र प्रेम गौतम पै्, पुलिस उप महानिरीक्षक महाकुम्भ श्री वैभव कृष्ण पै्, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज श्री अभिषेक कुमार पै्, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महाकुम्भ श्री राजेश द्विवेदी पै् के द्वारा बारी–बारी महाकुम्भ के श्रद्धालुओंध्कल्पवासियों की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, भौगोलिक स्थिति, यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं के उमड़े हुजूम एवं आपातकालीन यातायात प्रबंधन की योजनाओं का सफल क्रियान्वयन कैसे करें के संबंध में जानकारी दी गई द्य विशेष परिस्थितियों में संगम समेत अन्य दूसरे घाटों,महत्वपूर्ण स्थानो, पाण्टून पुलों के साथ प्रवेश द्वारोंधनिकास द्वारो पर की जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक बिंदुओं पर वार्ता करते हुए महाकुम्भ के तृतीय अमृत स्नान पर्व बसंत पंचमी को सुरक्षित, सकुशल एवं शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न कराने एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था हेतु 200 प्रशिक्षु पै् अधिकारियों को मजबूत इच्छा शक्ति के साथ महाकुम्भ की ड्यूटी हेतु प्रेरित किया गया इस दौरान अपर पुलिस महानिदेशक ट्रेनिंग हेडक्वार्टर डॉ बी डी पाल्सन पै् के साथ अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

महाकुम्भ में 40 लाख से ज्यादा लोगों ने पिया वाटर एटीएम का शुद्ध जल

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ में देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को आर.ओ (रिवर्स ऑस्मोसिस) वॉटर की शुद्ध जलापूर्ति उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार नित नए प्रतिमान रच रही है। सीएम योगी के विजन को क्रियान्वित करते हुए उत्तर प्रदेश जल निगम ने महाकुम्भ मेला क्षेत्र के सभी 25 सेक्टरों में कुल 233 वॉटर एटीएम (नए व पुराने) इंस्टॉल किए हैं जिनके जरिए प्रतिदिन चौबीसों घंटे स्नानार्थियों को शुद्ध जलापूर्ति उपलब्ध कराई जा रही है। बड़ी बात यह है कि इस क्रम में जल निगम द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 21 जनवरी 2025 से लेकर एक फरवरी 2025 तक कुल 40.85 लाख से अधिक लोगों ने वॉटर एटीएम का प्रयोग करते हुए शुद्ध जल पीने का लाभ उठाया है।

बटन दबाते ही मुफ्त में मिल रहा शुद्ध आर.ओ जल

पहले मेला प्रशासन ने वॉटर एटीएम के लिए मेला प्रशासन ने एक रूपये का शुल्क तय किया था, जो कि एक रुपए का सिक्का डालते या फिर स्कैन करके यूपीआई से पेमेंट करने के बाद उपलब्ध होता था, मगर अब आरओ वॉटर पूरी तरह मुफ्त है। प्रत्येक वॉटर एटीएम पर ऑपरेटर बैठते हैं जो श्रद्धालुओं के कहने पर बटन दबाते ही शुद्ध जल उपलब्ध करवा रहे हैं। वॉटर एटीएम में आने वाली किसी भी तकनीकी खामी का सेंसर के माध्यम से तुरंत निगरानी करके मौके पर तैनात जल निगम के टेक्निशियनों द्वारा तत्काल दूर कर दिया जाता है।

सिम कार्ड के जरिए रहता है नेटवर्क से कनेक्टेड

वॉटर एटीएम से प्रतिदिन औसतन 12 से 15 हजार लीटर पानी श्रद्धालुओं को उपलब्ध करवाया जा रहा है। एटीएम में बाकायदा सिम लगा हुआ है जिसके जरिए यह जल निगम के नेटवर्क से कनेक्टेड रहता है। क्यूमिलेटिव यूसेज, वॉटर लेवल मैनेजमेंट, वॉटर क्वॉलिटी एनालिसिस, वॉटर डिस्पेंसिंग क्वॉन्टिटी समेत विभिन्न पैमानों की लगातार मॉनिटरिंग होती है। इससे एक बार में एक लीटर पानी निकलता है

प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों ने जाने प्रबंधन के सूत्र स्वामी अवधेशानन्द जी से किया संवाद

महाकुम्भ नगर। आज सेक्टर 18 स्थित प्रभु प्रेमी संघ शिविर में सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भारतीय पुलिस सेवा में चयनित त्त–77 बैच के प्रशिक्षु पुलिस अधिकारियों के समूह ने जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामंडलेश्वर अनंतश्रीविभूषित पूज्यपाद श्री स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज से आध्यात्मिक भेंटवार्ता कर आशीर्वाद प्राप्त किया।स्वामी अवधेशानन्द जी ने भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से ष्महाकुंभ पर्व प्रबंधनष के विषय पर संवाद किया साथ ही उनकी जिज्ञासा का समाधान कर प्रबंधन के सूत्र प्रदान किये।गौरतलब है कि राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के एडीजी ट्रेनिंग बी.डी. पॉलसन के नेतृत्व 250 प्रशिक्षु अधिकारियों का दल महाकुंभ में प्रबंधन, व्यवस्था आदि के अध्ययन हेतु प्रयागराज आया हुआ है।

शंकराचार्य गोवर्धन मठ पुरी पीठ शिविर में दण्डी स्वामियों की सेवा करते हुए, श्री सुनील मोहंती जी, RSS क्षेत्र प्रचार प्रमुख पूर्वोत्तर राज्य ।

'इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर 2025 राजकोट, गुजरात में आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना ने किया प्रतिभाग'

राजकोटसभारतीय रेलवे की कोच उत्पादन इकाई आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना राजकोट, गुजरात में 02 से 05 फरवरी 2025 तक आयोजित 9वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर 2025 में अपने कोच मैन्युफैक्चरिंग और तकनीकी नवाचारों का प्रदर्शन कर रहा है। इस इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर का उद्घाटन केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया ने किया। आरेडिका मंडप पहुंचने पर आरेडिका के उप मुख्य डिजाइन इंजीनियर एस पी गोविल एवं जनसंपर्क अधिकारी अनिल श्रीवास्तव ने उनका अभिनंदन किया तथा उन्हें आरेडिका द्वारा निर्मित कोचों के बारे में बताया। साथ ही कोच उत्पादन क्षेत्र में हो रहे नवीन तकनीकी बदलावों के बारे में बताया। इस इंडस्ट्रियल फेयर में आरेडिका की ओर से कोचों में लगने वाले कॉम्पोनेन्ट की प्रदर्शनी लगाई गई है।

इससे आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वदेशी उत्पादन क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। यह प्रदर्शनी उद्योग के विशेषज्ञों, व्यवसायियों और आगंतुकों के लिए आरेडिका की तकनीकी उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को समझने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर रही है। आरेडिका भारतीय रेलवे की प्रमुख कोच उत्पादन एवं फोर्ज व्हील उत्पादन इकाइ है, जो कोच एवं व्हील निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रही है। इस प्रदर्शनी में आरेडिका निर्मित मेमू कोच, मोजांबिक कोच, तेजस कोच, ट्रैक इंस्पेक्शन मॉनिटरिंग कार कोच के मॉडल, इंफोग्राफिक्स के माध्यम से प्रदर्शित किए गए साथ कोच में लगने वाले विभिन्न प्रकार के मदो को भी प्रदर्शित किया गया जिसमें भारी संख्या में विजिटर आये तथा कंपोनेंट्स की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उप मुख्य डिजाइन इंजीनियर एस पी गोविल, जनसंपर्क अधिकारी अनिल कुमार श्रीवास्तव, सहायक सामग्री प्रबंधक राजेश कुमार, वरिष्ठ यांत्रिक इंजीनियर अंगद सिंह कुशवाहा, राजेश कुमार गुप्ता, प्रणीतेश रंजन, आलोक रंजन, परवेज अहमद, जितेंद्र व उनकी टीम ने कोच उत्पादों और नवाचारों की विस्तृत जानकारी आगंतुकों और उद्योग विशेषज्ञों को प्रदान की। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना की इस भागीदारी का मुख्य उद्देश्य अपने असाधारण उपलब्धियों को प्रदर्शित करना, उद्योग जगत के साथ नवाचार को बढ़ावा देना और भारत को रेल निर्माण के वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर करना है।

पीली पीली सरसों फूली, गीत बसंती गाएँगे

हर्षोल्लास से मनाया गया बसंतोत्सव

कानपुर । शहर समता कानपुर इकाई मंच के तत्वावधान में कानपुर की महिला साहित्यकारों ने बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर माँ शारदे के चरणों में शब्दांजलि अर्पित करते हुए बसंती बयार का आनंद लिया। सीमा वर्णिका की अध्यक्षता में तथा उपाध्यक्ष श्रद्धा श्रीवास्तव के संचालन में काव्यानुरागी महिला साहित्यकारों द्वारा एक से बढ़कर एक रचनाएँ प्रस्तुत की गयीं। विशेष रूप से पुष्पा सिंह, सुषमा सिंह उर्मी, शिप्रा सिंह, श्रद्धा श्रीवास्तव, पूनम पांडे , हेमा पांडे आदि की प्रस्तुतियाँ सराहनीय रहीं। सीमा वर्णिका के गीत श्पीली पीली सरसों फूली, गीत बसंती गाएँगेश ने माहौल बसंतमय कर दिया।

आरेडिका में बैडमिण्टन प्रतियोगिता का आयोजन

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में दिनांक 28.01.2025 से 31.01.2025 तक बैडमिण्टन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इस प्रतियोगिता में सिंगल एवं डबल मुकावले खेले गए इन मुकावलों में रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया। डबल फाइनल मुकावले में आरपीएफ के इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार एवं आरपीएफ के मोहित दहिया विजेता रहे वहीं डिप्टी सीवीओ त्रिलोचन अन्थवाल तथा वर्क्सशॉप प्रबंधक कृष्ण किनकर उपविजेता रहे। सिंगल फाइनल मुकावले में टेक्नीशियन संतोष कुमार विजेता रहे वहीं डिप्टी सीवीओ त्रिलोचन अन्थवाल उपविजेता रहे। महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने सभी विजेता एवं उपविजेताओं को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आरेडिका खेल–कूद अधिकारी पद्मश्री एवं अर्जुन आवाड़ी सुश्री सुधा सिंह ने बताया कि इससे आरेडिका के खिलाड़ियों में खेलों के प्रति सकारात्मक ऊर्जा का संचार एवं खेलों के प्रति आकर्षण बढेगा, और खेलों के संबंध में गहन समझ का विकास होगा। ओलम्पिक जैसे खेलों में रेलवे के खिलाड़ियों के द्वारा विजय पताका फहरा कर देश को गौरवान्वित किया है इसलिए इन खेलों का महत्व और भी बढ़ जाता है। आरेडिका खेल–कूद संघ के अध्यक्ष बीएल मीना ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए उचित व्यवस्था की गयी है, जिससे खिलाडियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े एवं निष्पक्ष प्रतियोगिता का सफल अयोजन हो सके।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान (दुवासु)का 14वां दीक्षांत समारोह संपन्न ।

मथुरा ।उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय का 14वां दीक्षांत समारोह सोमवार को संपन्न हुआ । इस अवसर पर नीति आयोग, भारत सरकार के सदस्य प्रो. रमेश चंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । कुलाधिपति ने राष्ट्रगान एवं पर्यावरण गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण एवं विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । मुख्य अतिथि प्रो. रमेश चंद ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी को स्मरण करते हुए उनके समाज के प्रति योगदान पर प्रकाश डाला । अपने संबोधन में प्रो. रमेश चंद ने भारतीय कृषि क्षेत्र विशेषकर पशुपालन क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों पर चर्चा की एवं पशुपालन क्षेत्र के सतत भविष्य तथा पशु चिकित्सा शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

इसके अतिरिक्त, एंटी–माइक्रोबियल रेजिस्टेंस जैसी गंभीर समस्याओं एवं उसके समाधान की रणनीतियों पर भी मुख्य अतिथि ने प्रकाश डाला। इस समारोह में 64 पशु चिकित्सा स्नातकों, 19 जैव प्रौद्योगिकी स्नातकों, 42 स्नातकोत्तर छात्रों एवं 04 पीएचडी धारकों को उपाधियाँ प्रदान की गईं । छात्रों को संबोधित करते हुए, उन्होंने जीवन में धैर्य और दृढ़ता के महत्व को बताया । माननीय राज्यपाल ने छात्राओ को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए सराहा और इसे महिला सशक्तिकरण का उदाहरण बताया। उन्होंने अधिक महिला भागीदारी के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की। अपने भाषण में, उन्होंने कुपोषण जैसी कुछ गंभीर समस्याओं पर चर्चा की और छात्रों को इसके उन्मूलन की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बकरी के दूध के सेवन के महत्व पर भी प्रकाश डाला और गोद लिए गए गांवों के पांच स्कूलों के बच्चों को बकरी का दूध उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। माननीय राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की महिला अध्ययन केंद्र इकाई के प्रयासों की भी सराहना की, जो ग्रामीण महिलाओं के विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पशुधन क्षेत्र के महत्व और पशुधन उत्पादों की निर्यात क्षमता पर भी चर्चा की। गुणवत्ता शोध को प्रोत्साहित करने के लिए, उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के लिए ष्एक राष्ट्र, एक सदस्यताष प्रस्ताव को भी रेखांकित किया।। छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देने हेतु विभिन्न पदक प्रदान किए गए, जिनमें 15 स्वर्ण पदक, 04 रजत पदक एवं 02 कांस्य पदक शामिल थे । पशु चिकित्सा स्नातकों में शालवी श्रीवास्तव को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान किया गया, जबकि यशवर्धन मिश्रा को रजत एवं नितीश कुमार को कांस्य पदक प्रदान किया गया । जैव प्रौद्योगिकी स्नातकों में शुभी तिवारी को स्वर्ण पदक, ज्योति सिंह को रजत पदक एवं तुषार बंधु को कांस्य पदक मिला । स्नातकोत्तर छात्रों में रूपम सचान को स्वर्ण पदक एवं मोहिनी शर्मा को रजत पदक प्रदान किया गया । इसके अतिरिक्त, विभिन्न प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक भी प्रदान किए गए, जिनमें आईएसवीपीटी मेडल, दुवासु आईपीएसए यूजी स्वर्ण पदक, डॉ. पी.जी. पांडे स्मृति स्वर्ण पदक, पं. जानकीनाथ मदान स्मृति स्वर्ण पदक, कर्नल वाई. एन. उपाध्याय स्मृति स्वर्ण पदक, डॉ. जितेंद्र कुमार स्मृति स्वर्ण पदक, डॉ. पी. राय स्मृति स्वर्ण पदक, डॉ. माही पाल सिंह स्मृति स्वर्ण पदक आदि शामिल थे । इनमें शालवी श्रीवास्तव को आईएसवीपीटी मेडल, कर्नल वाई.एन. उपाध्याय स्मृति स्वर्ण पदक एवं डॉ. माही पाल सिंह स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किए गए । शेखर करन वर्मा को पं. जानकीनाथ मदान स्मृति स्वर्ण पदक एवं डॉ. पी. राय स्मृति स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ । डॉ. पी.जी. पांडे स्मृति स्वर्ण पदक विपुल चतुर्वेदी को एवं डॉ. जितेंद्र कुमार स्मृति स्वर्ण पदक प्रेरणा तोमर को प्रदान किया गया । दुवासु, आईपीएसए यूजी स्वर्ण पदक यशवर्धन मिश्रा को दिया गया । इसी प्रकार, दुवासु आईपीएसए एमवीएससी स्वर्ण एवं रजत पदक मोहिनी शर्मा एवं पृथ्वी सुनील गुल्हाने को प्रदान किए गए । दुवासु आईपीएसए पीएचडी स्वर्ण पदक जाधव प्रतिक राजाराम को दिया गया । कुलपति स्वर्ण पदक बीवीएससी के लिए नितीश कुमार एवं एमवीएससी के लिए रूपम सचान को प्रदान किए गए । कुल पदक विजेताओं में 54: छात्र एवं 46: छात्राएँ थीं । चार सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध पुरस्कार एमवीएससी तथा चार पीएचडी के लिए प्रदान किए गए । बेसिक वेटरनरी साइंस श्रेणी में एमवीएससी सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध पुरस्कार डॉ. उमाशंकर रावत को दिया गया, वेटरनरी पैरा–क्लिनिकल विषयों में डॉ. निधि को, एनिमल प्रोडक्शन साइंस श्रेणी में डॉ. अंकिता पटेल को एवं वेटरनरी क्लिनिकल विषयों में डॉ. अनुपमा वर्मा को प्रदान किया गया। इसी तरह, बेसिक वेटरनरी साइंस श्रेणी में पीएचडी सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध पुरस्कार डॉ. खंदैत विवेक नाथूजी को, वेटरनरी पैरा–क्लिनिकल विषयों में डॉ. राउत आकाश को, एनिमल प्रोडक्शन साइंस श्रेणी में डॉ. अवनीश कुमार को एवं वेटरनरी क्लिनिकल विषयों में डॉ. संजय कुमार मिश्रा को प्रदान किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विभाग एवं सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के पुरस्कार भी प्रदान किए गए। सर्वश्रेष्ठ विभाग का पुरस्कार वेटरनरी फार्माकोलॉजी एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग को प्रदान किया गया, जबकि डॉ. अजय प्रताप (एसोसिएट प्रोफेसर, वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजी) को विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया। अकादमिक क्षेत्र के अलावा, विश्वविद्यालय ग्रामीण लोगों के उत्थान हेतु भी सक्रिय है और मथुरा के आंगनवाड़ी केंद्रों के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है। दीक्षांत समारोह के दौरान 20 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ट्राइसाइकिल, झूला घोड़ा, संख्याएँ, अक्षर, फल, पशु ब्लॉक्स, पजल, गेंद, मिट्टी की रिंग्स, पंचतंत्र की कहानी की किताबें, शैक्षिक मानचित्र, व्हाइट बोर्ड, मार्कर, डस्टर, किडनी आकार की टेबल एवं कुर्सियाँ वितरित की गईं। सर्वश्रेष्ठ संरक्षित आंगनवाड़ी केंद्र का पुरस्कार गढ़ी डड्डी, ब्लॉक छौमुहा को प्रदान किया गया। महिला अध्ययन केंद्र इकाई के माध्यम से विश्वविद्यालय ने पाँच गोद लिए गए गाँवों के विद्यालयों में चित्रकला, कहानी लेखन एवं भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित कीं। कुल 18 विजेताओं को माननीय राज्यपाल द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इन विद्यालयों के छात्रों को कहानी की किताबें, ड्राइंग बुक्स, पेंसिल बॉक्स, पेंसिल, इरेजर, शार्पनर, क्रेयॉन कलर पैकेट्स, बकरी का दूध एवं रिफ्रेशमेंट बॉक्स वितरित किए गए ।

'प्रयाग में संतों की वाणी ही सरस्वती का मूर्त रूप - शास्त्री जी महाराज'

श्री देवरहा बाबा सेवाश्रम शिविर में आयोजित हुआ भव्य कवि सम्मेलन

महाकुम्भ नगर (प्रयागराज) । महाकुम्भ नगर में सेक्टर 18 हरिश्चन्द्र मार्ग तुलसी मार्ग चौराहे पर स्थित श्री देवरहा बाबा सेवाश्रम शिविर में विख्यात साहित्यकार डॉ शंभुनाथ त्रिपाठी अंशुल की अध्यक्षता में एक भव्य कवि सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें कवियों ने काव्य गंगा प्रवाहित की । शिविर व्यवस्थापक ज्योतिषाचार्य डॉ रामेश्वर प्रपन्नाचार्य शास्त्री जी महाराज ने कहा कि प्रयागराज में कवियों और संतों की वाणी ही अदृश्य सरस्वती का मूर्त रूप है द्य यहाँ गंगा यमुना सरस्वती अक्षयवट एवं भगवान वेणीमाधव सहित प्रयागराज की शाश्वत भूमि विराजमान है द्य इस अमृतवेला में कवियों और संतो के श्रीमुख से निकल रही वाणी और महात्माओं का आशीर्वाद ही सरस्वती का मूर्त रूप बन जाता है द्य स्वामी कल्पनेश जी महाराज के संयोजन एवं डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय के संचालन में सम्पन्न भव्य कवि सम्मेलन में जयप्रकाश शर्मा प्रकाश, अजय कुमार शर्मा , डॉ योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु , शम्भू नाथ श्रीवास्तव , पं० राकेश मालवीय मुस्कान, सुधाकांत मिश्र बेलाला, दयानिधि तिवारी सरस, विवेक सुमन शर्मा, श्याम फतनपुरी को कवि सम्मेलन के मंच पर अंगवस्त्र ,धार्मिक साहित्य व नकद राशि प्रदान करके इंजीनियर विनोद कुमार शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया द्य समस्त कवि जनों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का सस्वर पाठ करके श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया द्य अंत में आभार डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने व्यक्त किया द्य इस अवसर पर संतोष कुमार तिवारी, राम गोपाल पाण्डेय , शान्ता प्रसाद शुक्ल , अशोक कुमार मिश्र , आशुतोष मिश्र, प्रीतम प्रसाद , राजेश दुबे आदि की उपस्थिति सराहनीय रही

5 फरवरी से श्री कृष्ण जन्म स्थान पर बहेगी श्रीमद् भागवत की अमृत धारा।

मथुरा अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्था रोटरी इंटरनेशनल से संबद्ध रोटरी मंडल 3110 द्वारा एक भव्य श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन श्री कृष्ण जन्म स्थान के तत्वाधान में जन्म भूमि के रासलीला मंच पर दिनांक 5 फरवरी 2025 से आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम में मथुरा के सभी रोटरी क्लब अपना सहयोग दे रहे हैं। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3110 के मंडल अध्यक्ष रोटेरियन नीरव निमेंश अग्रवाल ने कथा के आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया के क्योंकि इस बार रोटरी मंडल का नेतृत्व मथुरा के द्वारा किया जा रहा है इसलिए हमारी यह भावना है कि हम श्री कृष्ण और श्रीमद् भागवत गीता के संबंध में अधिक से अधिक प्रचार करें और हमारे रोटरी से संबंधित जितने भी लोग हैं उन सभी को श्रीमद् भागवत की कथा का श्रवण कराएं पूरी दुनिया श्रीमद् भागवत को सुनने के लिए हमेशा आतुर रहती है इसलिए मथुरा में इस कथा का आयोजन रोटरी द्वारा प्रथम बार आयोजन किया है। जन्मभूमि पर इस कथा के आयोजन के पीछे उद्देश्य डिस्ट्रिक्ट के सभी सदस्य जन्म स्थान में प्रभु के दर्शन भी कर सके और कथा का आनंद भी ले सके कथा भागवताचार्य वैशणवाचार्य जय जय श्री अभिषेक गोस्वामी जी महाराज श्री राधा रमन मंदिर वृंदावन के श्री मुख से सुनाई जाएगी।

'विश्वनाथ के आमबाड़ी के श्री श्री सरस्वती पूजा समिति पंडाल में सरस्वती पूजा की धूम'

'राष्ट्रीय विद्यालय कोसगाँव में सरस्वती मंदिर का हुआ स्थापना'

विश्वनाथ, असम स बसंत पंचमी तिथि लगने के साथ ही विश्वनाथ के प्रायः शैक्षणिक संस्थान , गृह, सार्वजनिक स्थलों में कल विद्या के देवी माँ सरस्वती के पूजा में भक्त डूब गए द। इधार विश्वनाथ चारिआलि शहर के आमबाड़ी के युवा संघ के द्वारा श्री श्री सरस्वती पूजा के पंडाल में भक्तों ने माँ सरस्वती के श्रीचरण शीष झुकाते हुए आशीर्वाद लेते हुए दिखाई दी। छात्र, युवा तथा युवती सुबह से निर्जला व्रत रखाकर माँ सरस्वती के पूजा अर्चना कर की। सर्वप्रथम पंडित रामानंद ओझा द्वारा मूर्ति स्थापना के बाद कलश पूजन किया गया। इसके बाद फलमूल, प्रसाद आदि माँ शारदा के श्रीचरण में अर्पित किया गया। पंडित रामानंद ओझा द्वारा पुष्पांजलि और यज्ञ होने के बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण की।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष प्रभात कुमार गुप्ता, सचिव विशाल साहू , कोषाध्यक्ष मिंटू राय, कार्यकर्ता देवजीत साहू ,पुनम कुमारी शाह, मनिका साहनी,डबलू महतो, आयुष गुप्ता,सुनाक्षी शर्मा ,प्रियांसु गुप्ता, आरुषि गुप्ता, बिट्टू कुमार गुप्ता तथा असंख्य महिला मौजूद थी। साथ ही विश्वनाथ जिले हिंदी माध्यम के विद्यालय राष्ट्रीय विद्यालय कोसगाँव में नवनिर्मित सरस्वती मंदिर में संगमरमर का मूर्ति माँ शारदा का स्थापना किया गया और पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक , कर्मचारी तथा विद्यार्थी मौजूद थे।

सम्पादकीय.......

ट्रूडो की शिकस्त

अपनी सरकार बचाने के लिये भारत विरोध की हद पार करने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को करारी शिकस्त मिली है। जिन लोगों को खुश करने के लिये ट्रूडो भारत के खिलाफ बेतुके आरोप गढ़ रहे थे, उन्होंने भी उनका साथ नहीं दिया। उस दल की समर्थन वापसी के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया है और नये प्रधानमंत्री के चुने जाने तक कार्यवाहक दायित्व निभा रहे हैं। बहरहाल, उन्होंने भारत के साथ रिश्तों को भी इतिहास के सबसे बुरे दौर में पहुंचा दिया था। निज्जर हत्या मामले में विदेशी हाथ के नाम पर भारत पर गंभीर आरोप लगाने के बाद इस बाबत एक जांच आयोग बैठा था। बीते मंगलवार कनाडाई जांच आयोग ने भारत के खिलाफ रचे गए आरोपों को खारिज कर दिया। दरअसल, ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में विदेशी हाथ होने के आरोप लगाकर भारत को घेरने की कोशिश की थी। लेकिन कनाडाई आयोग ने सारी शंकाओं को दूर कर दिया है। आयोग ने अपनी रपट में साफ किया कि जून 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप निज्जर की हत्या में विदेशी भूमिका के बाबत कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। जाहिर है, तथ्यों को तोड़मरोड़ कर ट्रूडो ने जिस तरह भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की साजिश रची थी, उस पर पानी फिर गया है। इस तरह ट्रूडो ने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये समर्थन देने वाले जिस दल को खुश करना चाहा था, उसने भी समर्थन वापस ले लिया। दूसरी ओर भारत के साथ संबंधों को भी उन्होंने सबसे बुरे दौर में पहुंचा दिया। ट्रूडो को लेकर एक बार फिर वही कहावत चरितार्थ हुई है कि 'न खुदा ही मिला न विसाल–ए–सनम, न इधर के हुए न उधर के हुए'। बहरहाल, इस रिपोर्ट के आने बाद आस जगी है कि दोनों देशों के संबंधों में सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि ट्रूडो ने न केवल देश के सार्वजनिक मंचों बल्कि अपने देश की संसद में भी आरोप लगाया था कि निज्जर हत्याकांड में भारतीय खुफिया एजेंसियों की भूमिका रही है। निश्चित रूप से कनाडा की संसद में दिया गया ट्रूडो का यह बयान अपरिपक्व व गैरजिम्मेदार था। आखिर कैसे अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की मर्यादाओं का ध्यान रखे बिना किसी देश को कठघरे में खड़ा किया जा सकता है? कैसे ट्रूडो ने बिना जांच–पड़ताल के ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश को दोषी घोषित करने के नापाक मंसूबे पाल लिए? भारत ने कई बार ट्रूडो सरकार से सबूत मांगे, जो भारत को कभी उपलब्ध ही नहीं कराए गए। इस तरह भारत के पक्ष पर मोहर लगाकर कनाडाई जांच आयोग ने साबित कर दिया है कि ट्रूडो का भारत विरोध दुराग्रहों से ही प्रेरित था। यही वजह थी कि दोनों देशों ने एक–दूसरे के राजनयिकों को अपने देशों से निकाला और इससे नागरिकों का मुक्त आवागमन बाधित हुआ है। लेकिन यह भी हकीकत है कि इस गैरजिम्मेदार व्यवहार के कारण कनाडा में उनकी लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से नीचे गिरा। कालांतर देश के मिजाज को समझते हुए उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। नये नेता का चुनाव होने तक ही उन्हें इस पद पर रहने का मौका मिलेगा। उल्लेखनीय है कि इस साल कनाडा में आम चुनाव होने वाले हैं। बहरहाल, इस मामले में ट्रूडो के आरोप खारिज होने के बाद भारत के खिलाफ मुहिम चलाने वालों का भी मनोबल जरूर गिरेगा। ऐसे में भारत उन देशों पर आने वाले समय में दबाव बना सकेगा, जो अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत विरोधी गतिविधियों को शह देते हैं। खासकर अमेरिका व ब्रिटेन की सरकारों को इस पहलू पर गंभीरता से विचार करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस साल होने वाले आम चुनावों के बाद कनाडा में जो नई सरकार आएगी, उसके साथ भारत के बेहतर संबंध स्थापित हो पाएंगे। निश्चय ही नयी सरकार अतीत की गलतियों से सबक लेकर रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में गंभीर पहल करेगी। विश्वास किया जाना चाहिए कि ट्रूडो के शासनकाल में सबसे निचले स्तर तक पहुंचे भारत–कनाडाई रिश्तों में नई सरकार आने के बाद उम्मीदों के अनुरूप गर्मजोशी लौटेगी।

बजट में सबका ख्याल, लेकिन चुनौतिया बरकरार

प्रेम शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम बजट को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगाॉ 'विकसित भारतश् के मिशन को आगे ले जाएगा और साथ ही विकासॉ निवेश और उपभोग को कई गुणा बढेगा।

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले पूर्ण बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मध्य वर्ग को आयकर में बड़ी राहत दी है। मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता की बागडोर संभालने के समय ढाई लाख आय पर कोई टैक्स नहीं था। इस बार इसे बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025–26 बजट के जरिये हर वर्ग, खासतौर पर गरीब, युवाओं और महिलाओं के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है, जो उनकी उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करेंगे। इस बजट में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस बजट ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं, जो खासकर आम नागरिक, किसानों, युवाओं और छोटे व्यवसायों के लिए सकारात्मक बदलाव लाएंगे। वित्त मंत्री ने जिस तरह से सामाजिक कल्याण, बुनियादी ढांचा और आर्थिक समावेशन पर जोर दिया है, उससे यह स्पष्ट होता है कि सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि समग्र समृद्धि है। आयकर में सुधार, कृषि क्षेत्र में निवेश, और स्वास्थ्य–शिक्षा जैसी योजनाओं के जरिए सरकार ने आम आदमी की उम्मीदों को नई दिशा दी है। इस बजट के जरिए भारत अपनी दीर्घकालिक विकास की यात्रा में और मजबूत कदम उठाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम बजट को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगाॉ 'विकसित भारतश् के मिशन को आगे ले जाएगा और साथ ही विकासॉ निवेश और उपभोग को कई गुणा बढेगा। हालांकि विपक्ष द्वारा बजट को लेकर जो प्रतिक्रियाए आई है वह स्वाभाविक है। क्योकि विपक्ष अगर विरोध दर्ज नही करायेगा तो वह विपक्ष कैसा। बहरहाल वित्त मंत्री सभी को साधने वाले बजट से अर्थव्यवस्था को न केवल बल मिलना चाहिए, बल्कि वह कहीं तेज गति से बढ़नी चाहिए। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि आर्थिक सर्वे जहां यह कह रहा है कि आगामी वित्त वर्ष में आर्थिक विकास की दर 6.3 से 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है, वहीं देश को विकसित बनाने के लिए कम से कम एक दशक तक आठ प्रतिशत विकास दर की आवश्यकता है। आखिर यह आवश्यकता कैसे पूरी होगी ? लोक लुभावन बजट के बाद भारत में कृषि, बेरोजगारी, कुपोषण, जल, महंगाई जैसी चुनौतियॉ अभी भी बरकरार है। जब तक हमारे उद्योग–धंधे वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सक्षम नहीं बनते। उन्हें इस प्रतिस्पर्धा का सामना करते हुए उत्कृष्टता भी हासिल करनी होगी, क्योंकि वे तभी वैश्विक बाजार की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होंगे। बजट में यह प्रविधान किया गया है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्योगों को कहीं आसानी से ज्यादा कर्ज मिल सकेगा, लेकिन उनकी समस्या कर्ज नहीं, वह तकनीक है, जिसके अभाव में उनके उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपना स्थान नहीं बना पा रहे हैं।सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्योगों के सशक्त होने से केवल देश को आत्मनिर्भर बनाने में ही सहायता नहीं मिलेगी, बल्कि रोजगार के कठिन सवाल को हल करने में भी आसानी होगी। बजट में सामाजिक विकास की योजनाओं पर धन का आवंटन बढ़ाना समय की मांग थी, लेकिन अच्छा होता कि बजट यह संदेश देता कि जब लोग आत्मनिर्भर बनेंगे, तभी देश भी आत्मनिर्भर होगा। टैक्स छूट से अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, लेकिन कितना, यह आने वाला समय बताएगा, क्योंकि टैक्स छूट से जनता के पास करीब एक लाख करोड़ रुपये ही आएगा। बजट में सरकार अपनी नीतियों के जरिये भविष्य की रणनीति भी सामने रखती है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं लगा कि सरकार बजट के माध्यम से किसी बड़े बुनियादी बदलाव की ओर बढ़ रही है। कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रम आदि क्षेत्र में केंद्र की नीतियों पर सही ढंग से अमल राज्यों के सक्रिय सहयोग से ही हो पाता है। इस मामले में डबल इंजन सरकारें अर्थात भाजपा शासित राज्य सरकारों को तो लाभ मिलता है, लेकिन कई बार गैर भाजपा शासित राज्यों में केंद्र की नीतियों को लागू करने में अड़चन आती है। यही नही बजट से पहले आए आर्थिक सर्वे की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। इस सर्वे में स्वास्थ्य पर अतिरिक्त ध्यान, और उद्योगों को महंगी बिजली जिक्र हुआ थ। यानि मुफ्त या सस्ती बिजली देने के कारण भी उद्योगों को दी जाने वाली बिजली महंगी हो रही है। अधिकांश राज्यों के बिजली बोर्ड घाटे में चल रहे हैं। बजट यह संकेत दे रहा है कि सरकार देश में जो आर्थिक सुस्ती दिख रही है, उसे दूर करने के लिए प्रयत्नशील है। वह इसमें सफल हो सकती है, क्योंकि आयकर में छूट देने के साथ उसने कुछ समय पहले आठवें वेतन आयोग के गठन की भी घोषणा की है, लेकिन इसमें संदेह कि बजट उन चुनौतियों का समाधान करने में भी सक्षम होगा, जो विकसित भारत के लक्ष्य को पाने में आड़े आ रही हैं। बजट यह संकेत नहीं करता कि सरकार चीन की ओर से पेश की जा रही आर्थिक चुनौती का सामना करने को तत्पर है। भारत को चीन के विकल्प के रूप में विकसित करने की जो बातें होती थीं, उनके अनुरूप बजट में कोई घोषणा नहीं की गई। प्राइवेट सेक्टर बजट घोषणाओं से उत्साहित नहीं, इसका पता शेयर बाजार के रुझान से चला। यदि प्राइवेट सेक्टर चीन की चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं हुआ तो आठ प्रतिशत की विकास दर हासिल करना कठिन होगा। यदि यह लक्ष्य कठिन बना रहा तो फिर विकसित भारत के लक्ष्य को पाना भी मुश्किल होगा।

बजट 2025: मध्यम वर्ग के लिए बड़ी सौगात

प्रियंका सौरभ

केंद्रीय बजट 2025 ऐसे महत्त्वपूर्ण समय पर आ रहा है, जब भारत की आर्थिक वृद्धि चार वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है। अमेरिकी टैरिफ के खतरों और बढ़ते भू–राजनीतिक तनावों सहित वैश्विक अनिश्चितताएँ नई चुनौतियाँ पैदा कर रही हैं। जवाब में, बजट ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की योजना की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें कर छूट, बुनियादी ढांचे के विकास और विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों पर जोर दिया गया है। उल्लेखनीय आयकर कटौती, छूट में वृद्धि और स्टार्टअप और छोटे व्यवसायों के लिए नए प्रोत्साहन शुरू करके, सरकार मध्यम वर्ग की आय बढ़ाने और लंबे समय में सतत विकास को बढ़ावा देने की उम्मीद करती है। हाल ही में पेश किए गए बजट में वित्त मंत्री ने नए टैक्स सिस्टम के तहत 12 लाख रुपये तक की आय वालों के लिए आयकर खघ्त्म करके मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी है। 18 लाख रुपये की आय वाले व्यक्तियों को 70, 000 रुपये की कर छूट का लाभ मिलेगा, जबकि 12 लाख रुपये की आय वालों को 80, 000 रुपये की कर छूट मिलेगी। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान अपने पहले पूर्ण बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उल्लेखनीय प्रभाव डाला है। पहले, केवल 7 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले लोगों को आयकर से छूट थी, लेकिन अब यह सीमा बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दी गई है। इसके अतिरिक्त, वेतनभोगी व्यक्तियों को 75, 000 रुपये की मानक कटौती का लाभ मिलेगा, जिसका अर्थ है कि 12.75 लाख रुपये तक की आय वालों को कोई आयकर नहीं देना होगा। हालांकि, इस सीमा से अधिक आय वाले किसी भी व्यक्ति पर अभी भी कर लगेगा। 18 लाख रुपये की सालाना आय वाले व्यक्तियों को 70, 000 रुपये की कर छूट का लाभ मिलेगा, जबकि 12 लाख रुपये की वार्षिक आय वालों को 80, 000 रुपये की कर छूट मिलेगी। ये बदलाव वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए निर्धारित किए गए हैं, जो आकलन वर्ष 2026–27 से मेल खाता है। इसके अतिरिक्त, 2025–26 के बजट में अद्यतन आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा को मौजूदा दो साल से बढ़ाकर चार साल करने का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा, बजट में वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज आय पर कर कटौती की सीमा को दोगुना करके 1 लाख रुपये करने की योजना शामिल है। सरकार ने आयकर स्लैब और दरों में संशोधन का भी सुझाव दिया। सीतारमण के अनुसार, नए कर ढांचे में 4 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं होगा, 4 लाख 1 से 8 लाख रुपये के बीच की आय पर 5: कर, 8 लाख 1 से 12 लाख रुपये के बीच की आय पर 10: कर, 12 लाख 1 से 16 लाख रुपये के बीच की आय पर 15: कर, 16 लाख 1 से 20 लाख रुपये के बीच की आय पर 20: कर, 20 लाख 1 से 24 लाख रुपये के बीच की आय पर 25: कर और 24 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30: कर लगेगा। सरकार दरों और सीमाओं की संख्या में कटौती करके स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) प्रणाली को सरल बनाने की योजना बना रही है, जिससे करदाताओं के लिए यह आसान हो जाएगा। उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत विदेश भेजे गए धन पर स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) की सीमा 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है। इसके अतिरिक्त, किराए के भुगतान के लिए टीडीएस सीमा को बढ़ाकर 6 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे किराये की आय अर्जित करने वाले लोगों और व्यवसायों को कुछ राहत मिली है। शिक्षा ऋण के संदर्भ में, बजट में कुछ वित्तीय संस्थानों से 10 लाख रुपये तक के ऋण पर टीसीएस को समाप्त करने का सुझाव दिया गया है, जिससे छात्रों और उनके परिवारों को प्रक्रिया को और अधिक सुचारू रूप से चलाने में मदद मिलेगी। सरकार ने समय–समय पर नागरिकों पर कर का बोझ कम किया है। 2014 के बाद, शून्य कर सीमा को 2.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2019 में 5 लाख रुपये और फिर 2023 में 7 लाख रुपये कर दिया गया। इसके अतिरिक्त, नई कर प्रणाली के तहत, 12 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्तियों को कोई

आयकर नहीं देना होगा। हालांकि, यह पूंजीगत लाभ और इसी तरह की आय पर लागू नहीं होता है। संशोधित आयकर स्लैब और दरों के लाभों को इस प्रकार संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है, 12 लाख रुपये कमाने वाले करदाताओं की कर देयता शून्य हो जाएगी, जिससे उन्हें 80, 000 रुपये की बचत होगी। 16 लाख रुपये की आय वालों को 50, 000 रुपये का लाभ होगा। 18 लाख रुपये कमाने वाले करदाताओं को 70, 000 रुपये की बचत होगी। 20 लाख रुपये कमाने वाले व्यक्तियों को 90, 000 रुपये का लाभ होगा। 25 लाख रुपये की आय वाले करदाताओं को 1, 10, 000 रुपये का लाभ मिलेगा। 50 लाख रुपये कमाने वालों को भी 1, 10, 000 रुपये का लाभ मिलेगा। 2025–26 के आम बजट में स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) के लिए न्यूनतम आय सीमा बढ़ा दी गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज आय पर टीडीएस की सीमा 50, 000 रुपये से बढ़ाकर 1 लाख रुपये प्रति वर्ष कर दी गई है। किराये की आय पर टीडीएस की न्यूनतम आय सीमा 2.40 लाख रुपये से बढ़ाकर 6 लाख रुपये सालाना कर दी गई है। इसके अलावा, विदेश में पैसा भेजने के लिए रिजर्व बैंक की उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत, अब 6 लाख रुपये के बजाय 10 लाख रुपये से अधिक की राशि पर टीसीएस लागू होगा।

केंद्रीय बजट 2025 ऐसे महत्त्वपूर्ण समय पर आ रहा है, जब भारत की आर्थिक वृद्धि चार वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है। अमेरिकी टैरिफ के खतरों और बढ़ते भू–राजनीतिक तनावों सहित वैश्विक अनिश्चितताएँ नई चुनौतियाँ पैदा कर रही हैं। जवाब में, बजट ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की योजना की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें कर छूट, बुनियादी ढांचे के विकास और विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों पर जोर दिया गया है। उल्लेखनीय आयकर कटौती, छूट में वृद्धि और स्टार्टअप और छोटे व्यवसायों के लिए नए प्रोत्साहन शुरू करके, सरकार मध्यम वर्ग की आय बढ़ाने और लंबे समय में सतत विकास को बढ़ावा देने की उम्मीद करती है।

धार्मिक सामाजिक संघर्ष की विद्रूपताएं

संजीव ठाकुर

आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैंस देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए–नए रूप तथा आयाम देती आई है और हमेशा समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग–अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय–समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 76वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

अभिजीत भट्टाचार्य ने किसिंग विवाद के बीच उदित नारायण का बचाव किया, कहा- 'लड़कियां उनके पीछे पड़ी थीं'

> अभिजीत ने यह भी उल्लेख किया कि उदित नारायण एक रोमांटिक गायक और 'बड़े खिलाड़ी' हैं, लेकिन वे खुद एक 'अनाड़ी' हैं, और दूसरों को इन मामलों में शामिल न होने की सलाह देते हैं। उन्होंने पुरानी यादों को ताज़ा करते हुए इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों की एक ऐसी ही घटना को याद किया।

गायक उदित नारायण एक वायरल वीडियो के बाद सुर्खियों में हैं, जिसमें उन्हें लाइव कॉन्सर्ट के दौरान एक महिला प्रशंसक के होठों पर किस करते हुए दिखाया गया है। वीडियो को इंटरनेट पर शेयर किया गया और गायक को उनके ष्अभद्रष् व्यवहार के लिए काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। उदित नारायण के समकालीन अभिजीत ने न्यूज़ 18 से बात की और चल रही बहस पर अपने विचार साझा किए। गायक ने उदित नारायण के कदम का बचाव किया और कहा कि महिलाएं उनका ''पीछा'' कर रही थीं।

अभिजीत भट्टाचार्य ने किसिंग विवाद के बीच उदित नारायण का बचाव किया

फुटेज में उदित अप्रत्याशित रूप से मंच पर टिप टिप बरसा पानी गाते हुए प्रशंसक को किस करने के लिए झुकते हुए दिखाई दे रहे हैं। अब, अभिजीत भट्टाचार्य ने इस विवाद के बीच उदित का बचाव करते हुए कहा कि महिलाएं उनका पीछा कर रही थीं। न्यूज18 के साथ हाल ही में हुई बातचीत में अभिजीत भट्टाचार्य ने अपने साथी गायक उदित नारायण का बचाव करते हुए कहा कि गायकों के लिए ऐसी घटनाएं असामान्य नहीं हैं। उन्होंने बताया कि उचित सुरक्षा या बाउंसर के बिना, प्रशंसक कभी–कभी अति उत्साही हो जाते हैं, यहां तक घ्कि अपने कपड़े भी फाड़ देते हैं।

अभिजीत भट्टाचार्य ने कहा– लड़कियां उनके पीछे पड़ी थीं

उन्होंने यह भी बताया कि उदित की पत्नी दीपा गहतराज अक्सर उनके साथ होती हैं और उन पर महिला प्रशंसकों का फायदा उठाने का आरोप लगाना अनुचित है। अभिजीत के अनुसार, उदित एक प्रिय व्यक्ति हैं और महिलाएं स्वाभाविक रूप से उनकी ओर आकर्षित होती हैं, लेकिन उन्होंने कभी किसी को अपने करीब आने के लिए मजबूर नहीं किया। उन्होंने कहा, लड़कियां उनके पीछे पड़ी थीं। उन्होंने किसी को अपने करीब नहीं खींचा।

उदित नारायण एक रोमांटिक गायक और 'बड़े खिलाड़ी' हैं

अभिजीत ने यह भी उल्लेख किया कि उदित नारायण एक रोमांटिक गायक और 'बड़े खिलाड़ी' हैं, लेकिन वे खुद एक 'अनाड़ी' हैं, और दूसरों को इन मामलों में शामिल न होने की सलाह देते हैं। उन्होंने पुरानी यादों को ताज़ा करते हुए इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों की एक ऐसी ही घटना को याद किया। उन्होंने बताया कि दक्षिण अफ्रीका में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान, युवतियों के एक समूह ने उनके गालों पर इतने ज़ोरदार चुंबन लिए कि वे मुश्किल से मंच से उतर पाए। उन्होंने यह भी कहा कि यह सब लता मंगेशकर के सामने हुआ। अभिजीत ने बताया कि इस घटना के बाद उनके गालों पर लिपस्टिक के निशान रह गए थे। उदित नारायण ने हाल ही में चुंबन विवाद पर अपना बचाव करते हुए बताया कि प्रशंसकों का उत्साह अक्सर ऐसे सहज क्षणों की ओर ले जाता है और इसका अधिक विश्लेषण नहीं किया जाना चाहिए। हिंदुस्तान टाइम्स के साथ एक साक्षात्कार में, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा के बावजूद, भीड़ भरे कार्यक्रमों में ऐसी चीजें हो सकती हैं और प्रशंसक विभिन्न तरीकों से प्रशंसा दिखाते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि प्रतिक्रिया के पीछे छिपे उद्देश्य हो सकते हैं, यह सुझाव देते हुए कि उनके परिवार की साफ छवि उन्हें निशाना बना सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुंबन अनजाने में हुआ था और अपने प्रशंसकों के प्रति अपने सम्मान को दोहराया, जिन्हें वह अपने प्रदर्शन के दौरान हमेशा संजो कर रखते हैं।

स्वरा ने 'शहजादा' फहाद को खास अंदाज में दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने पति फहाद अहमद को खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। अभिनेत्री ने फहाद को ना केवल 'शहजादा' बल्कि एक 'प्यारा चोर' भी बताया। अभिनेत्री का इंस्टाग्राम उनकी एक से बढ़कर एक पोस्ट से भरा पड़ा है। अभिनेत्री ने पति–राजनेता फहाद अहमद को 'शहजादा' बताते हुए मजेदार कैप्शन में उनको एक चोर भी बताया। इंस्टाग्राम पर 12 तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, "शहजादे को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! हालांकि एक चेतावनी भी है क्योंकि वह हेडफोन, परफ्यूम, टॉयलेटरीज और घर लाई गई पत्नी की हर एक अच्छी चीज को चुरा लेता है, वह दिल भी चुरा लेता है। फहाद को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए अभिनेत्री ने उनके आने वाले साल के बेहतरीन होने की कामना की। इसके साथ उन्होंने 'भाई' शब्द का भी इस्तेमाल किया। स्वरा ने लिखा, "जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं जान! आपका साल बेहतरीन रहे और हमेशा की तरह भाई का कॉन्फिडेंस बरकरार रहे। स्वरा भास्कर ने फहाद अहमद से 16 फरवरी 2023 को निकाह किया था। कपल को एक बेटी है, जिसका नाम उन्होंने राबिया रखा है। फहाद के बारे में बता दें कि वह राजनीतिक पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं। फहाद इसी साल अक्टूबर में समाजवादी पार्टी छोड़कर एनसीपी में शामिल हुए थे। वह पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मुंबई के अणुशक्ति नगर से मैदान में उतरे थे। हालांकि, उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। अभिनेत्री का बयान सामने आया था और उन्होंने ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) पर अपनी भड़ास निकाली थी। स्वरा भास्कर 'रांझणा', तनु वेड्स मनु, प्रेम रतन धन पायो समेत कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

रामायणः द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम' की 15 फरवरी को संसद भवन में होगी स्पेशल स्क्रीनिंग

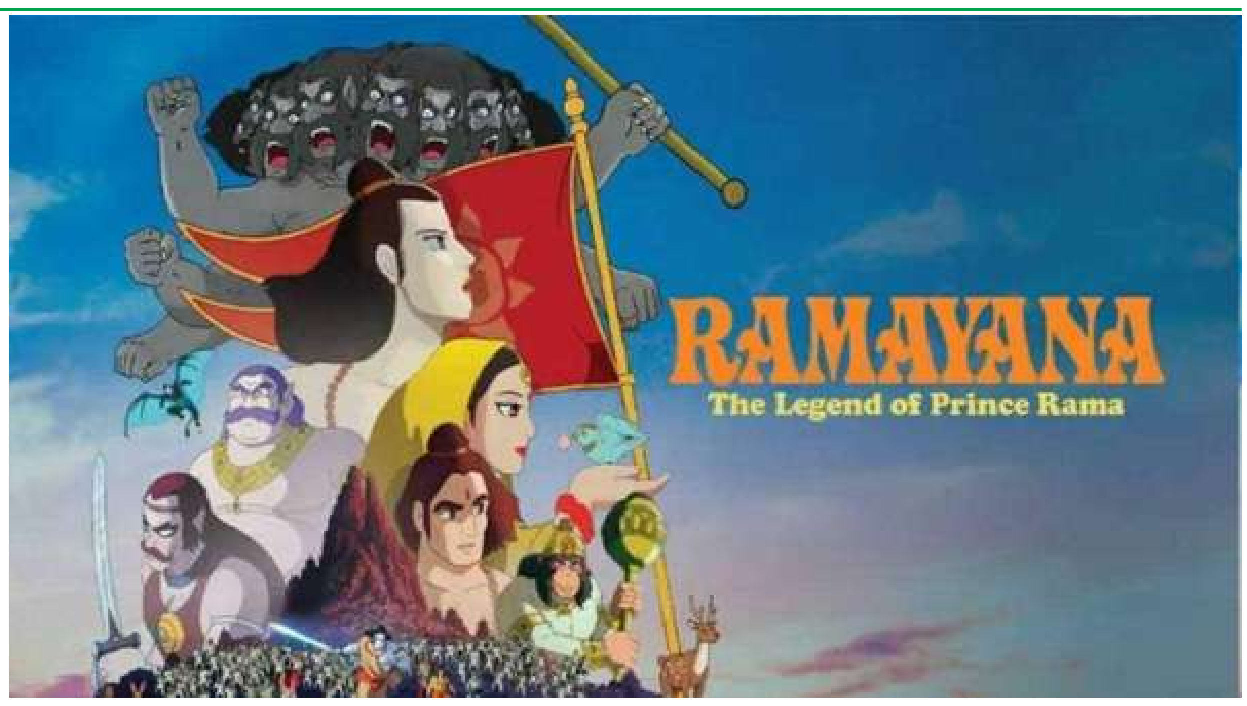

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में एनिमेटेड फिल्म 'रामायण द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम' का जिक्र करने के बाद अब 15 फरवरी को संसद भवन में इसकी विशेष स्क्रीनिंग रखी गई है, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी शामिल होंगे। स्क्रीनिंग को एक महत्वपूर्ण अवसर के तौर पर देखा जा सकता है, जिसमें फिल्म के सांस्कृतिक और कलात्मक महत्व के जश्न के साथ ही भारत और जापान के बीच मजबूत संबंधों का जश्न भी शामिल है। फिल्म की स्क्रीनिंग में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी शामिल होंगे। इसका उद्देश्य सभी पीढ़ियों के लोगों के बीच इस पौराणिक महाकाव्य की समझ विकसित करना है। यह रामायण के कालातीत मूल्यों को बढ़ावा देने का भी प्रयास करता है, जो भारतीय परंपरा और आध्यात्मिकता के मूल सिद्धांतों को दिखाता है। गीक पिक्चर्स के सह–संस्थापक अर्जुन अग्रवाल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, ष्हम भारतीय संसद के इस कदम से बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हमारे काम को इतने प्रतिष्ठित स्तर पर मान्यता मिलना सौभाग्य की बात है। यह स्क्रीनिंग सिर्फ एक फिल्म का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि हमारी समृद्ध विरासत और रामायण की कालातीत कहानी का उत्सव है, जो हमें प्रेरित करने के साथ हमारा मार्गदर्शन भी करती है। स्क्रीनिंग में संसद के दोनों सदनों के सदस्य और सांस्कृतिक क्षेत्रों से आमंत्रित मेहमान शामिल होंगे। कोइची सासाकी, राम मोहन और युगो साको ने फिल्म का निर्देशन किया है। 'रामायण रू द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम' का पहला प्रीमियर 1993 में हुआ था। फिल्म को 24वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (1993) में दिखाया गया था और इसका टेलीविजन प्रसारण भी हुआ था। हिंदी वॉयस कास्ट में राम के रूप में युद्धवीर दहिया, सीता के रूप में सोनल कौशल, लक्ष्मण के रूप में उपलक्ष कोचर और रावण के रूप में राजेश जॉली शामिल हैं। वहीं, मूल हिंदी डब में राम की आवाज अरुण गोविल, सीता की नम्रता साहनी, रावण की अमरीश पुरी और कथावाचक की आवाज शत्रुघ्न सिन्हा ने दी थी।

ये दोस्तानाः अपने अजीज दोस्त सलमान से मिले अनुपम खेर, लगाया गले, बोले- हम ज्यादा भले ना मिलें, पर जब मिलते हैं तो..

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर और सलमान खान की दोस्ती बहुत पुरानी है। दोनों ने कई सालों तक एक–दूसरे के साथ काम किया है। हालांकि, इन दिनों दोनों अपने–अपने वर्क प्रोजेक्ट को लेकर बिजी हैं। इसी बीच हाल ही में अनुपम खेर ने अपने पुराने दोस्त सलमान खान से मुलाकात की और इस मुलाकात की एक खूबसूरत तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसे फैंस खूब लाइक करते नजर आ रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीर में अनुपम खेर, सलमान खान को गले लगाते हुए नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में एक्टर ने लिखा, "सलमान और मैं! हम ज्यादा भले ना मिलें, पर जब मिलते हैं तो सालों की दोस्ती की खुशी चेहरे पर साफ दिखाई देती है।" इस पोस्ट के जरिए अनुपम खेर ने अपने दोस्त सलमान खान के साथ अपनी गहरी दोस्ती और आपसी सम्मान का इजहार किया है। फैंस एक्टर के इस पोस्ट को जमकर लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें, यह पहली बार नहीं है जब अनुपम खेर ने सलमान खान के साथ अपनी दोस्ती को लोगों के बीच जाहिर किया है। कुछ महीने पहले भी उन्होंने सलमान के साथ एक तस्वीर शेयर की थी और उसके साथ अपनी दोस्ती का इजहार किया था। अनुपम खेर और सलमान खान की जोड़ी ने कई हिट फिल्मों में साथ काम किया है। साल 1994 में आई सुपरहिट फिल्म हम आपके हैं कौन में अनुपम खेर ने माधुरी दीक्षित के पिता का किरदार निभाया था, जबकि सलमान खान और माधुरी दीक्षित का ऑनस्क्रीन रोमांस दर्शकों ने बेहद पसंद किया था। इसके अलावा, सलमान और अनुपम खेर की जोड़ी जुड़वा, जान–ए–मन और प्रेम रतन धन पायो जैसी कई बड़ी फिल्मों में नजर आ चुकी है, जो बॉक्स ऑफिस पर काफी हिट साबित हुई थीं।

निरहुआ को आम्रपाली दुबे ने किया बर्थडे विश, कहा– हमेशा सबके दिलों पर राज करते रहें

> आम्रपाली ने कैप्शन में लिखा, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दिनेश लाल यादव जी। भगवान आपको हमेशा स्वस्थ रखें, समृद्ध रखें, दीर्घायु दे और आप हमेशा सबके दिलों पर राज करते रहें।

भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उन्हें भोजपुरी इंडस्ट्री के कई सितारे बधाई दे रहे हैं। निरहुआ की दोस्त और भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे ने भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। आम्रपाली ने इंस्टाग्राम पर निरहुआ के साथ अपनी कुछ फोटोज का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें निरहुआ अपने दोस्तों के साथ केक काटते हुए बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस वीडियो में आम्रपाली भी उनके साथ नजर आ रही हैं। वीडियो के साथ आम्रपाली ने भोजपुरी गाना श्तोहर आदत हो रहल बाश भी लगाया है और निरहुआ के लिए एक प्यारा कैप्शन भी लिखा है। आम्रपाली ने कैप्शन में लिखा, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दिनेश लाल यादव जी। भगवान आपको हमेशा स्वस्थ रखें, समृद्ध रखें, दीर्घायु दे और आप हमेशा सबके दिलों पर राज करते रहें। आम्रपाली और निरहुआ ने एक साथ कई हिट भोजपुरी फिल्मों में काम किया है, जैसे कि राजा बाबू, पटना टू पाकिस्तान, लल्लू की लैला, सिपाही, राम लक्खन, आशिक आवारा, निरहुआ हिंदुस्तानी और फसल। इसके अलावा, भोजपुरी एक्ट्रेस और सिंगर अक्षरा सिंह ने भी निरहुआ को जन्मदिन की बधाई दी है। अक्षरा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर निरहुआ के साथ अपनी आगामी फिल्म की एक फोटो पोस्ट की और लिखा, हैप्पी बर्थडे दिनेश लाल यादव सर, ईश्वर आपको स्वस्थ और सफल बनाए रखें।

फ्रेश स्ट्रॉबेरी खरीदनी है तो बहुत काम आएंगे ये टिप्स

स्ट्रॉबेरी जितनी देखने में सुंदर होती है उतना ही इसका स्वाद भी बहुत अच्छा होता है। स्ट्रॉबेरी से कई तरह की डिशेज भी बनाई जाती हैं। इसके अलावा सलाद के तौर पर भी इसका इस्तेमाल होता है। कई लोग स्ट्रॉबेरी का जूस बनाकर भी पीते हैं। मार्केट में भी आपको स्ट्रॉबेरी की कई सारी वैराइटी मिले जाएंगी लेकिन कई बार इस बात का पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि कौन सी स्ट्रॉबेरी अच्छी है। तो चलिए आज आपको कुछ ऐसे हैक्स बताते हैं जिनके जरिए आप यह फ्रेश स्ट्रॉबेरी का पता कर सकते हैं। आइए जानते हैं...

स्ट्रॉबेरी का रंग देखकर लगाएं पता

स्ट्रॉबेरी फ्रेश है कि नहीं यह पता लगाने के लिए रंग जरुर देखें। यदि इसके तनों के आसपास आपको सफेदी दिखती है तो स्ट्रॉबेरी मीठी और ताजी होगी। ऐसे में आप थोड़ी चटक लाल रंग वाली स्ट्रॉबेरी ही खरीदें। क्योंकि यह खाने में भी स्वाद होती है।

साइज में छोटी स्ट्रॉबेरी ही खरीदें

ताजी स्ट्रॉबेरी के साथ–साथ यह भी देखना जरुरी है कि इसका स्वाद कैसा है। यदि स्ट्रॉबेरी का स्वाद अच्छा नहीं होगा तो इसे खरीदने का भी कोई फायदा नहीं होगा। ऐसे में कोशिश करें कि छोटे आकार की स्ट्रॉबेरी ही खरीदें। ये स्वादिष्ट होने के साथ–साथ हेल्दी भी होगी। छोटी रसदार स्ट्रॉबेरी में स्वाद भी होता है जबकि बड़े आकार वाली स्ट्रॉबेरी में पानी ज्यादा होता है।

हरी पत्तियों वाली स्ट्रॉबेरी

हरी पत्तियों वाले स्ट्रॉबेरी खरीदने से भी आपको फायदा होगा। पत्तियों से पता चल जाएगा कि यह फ्रेश है कि नहीं। आप चाहें तो थोड़े दिनों के लिए घर पर स्ट्रॉबेरी को स्टोर करके रख सकते हैं। ये खाने में भी बहुत ही स्वादिष्ट होती है। इस दौरान यह भी ध्यान दे कि सूखे पत्तियां वाली स्ट्रॉबेरी का चुनाव न करें। हमेशा हरे पत्तेदार वाली स्ट्रॉबेरी का चुनाव करें। इसके अलावा इसका रंग भी जरुर देखें।

मुलायम स्ट्रॉबेरी

जब भी आप स्ट्रॉबेरी खरीदें तो थोड़ी सख्त ही स्ट्रॉबेरी खरीदें। क्योंकि कई बार लोग मुलायम, रस और नमी से भरपूर स्ट्रॉबेरी खरीद लेते हैं जबकि इसका स्वाद अच्छा होता है लेकिन ये हल्दी नहीं होती। ऐसे में खरीदने से पहले यह देखने के लिए कंटेनर के नीचे की जांच करें कि क्या कागज पर दाग लगा है या नहीं। क्योंकि ज्यादा नमी वाली स्ट्रॉबेरी में आसानी से फफूंदी लग जाती है और यह खराब होने लगती है।

गैंग्रीन कैसे और क्यों होता है ? जान लें इससे बचाव के तरीके

कुछ लोगों के हाथ और पैरों में इतना ज्यादा दर्द होता है कि यह बर्दाश्त नहीं हो पाता। यह दर्द गैंग्रीन नाम की बीमारी के कारण भी हो सकता है। इस बीमारी में शरीर के अंगों के टिश्यू काम करना बंद कर देते हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो किसी भी तरह का घाव या चोट लगने के कारण कई बार उस हिस्से तक ब्लड सर्कुलेशन भी बंद हो जाता है, जिसके कारण टिश्यू धीरे–धीरे डैमेज होने लगते हैं। टिश्यू के डैमेज होने के कारण से शरीर के अंग भी काम करना बंद कर देते हैं। कई बार जिस हिस्से के टिश्यू गैंग्रीन से प्रभावित होते हैं उनमें पस भर जाती है और बाहर आने लगती है। ऐसे में इस रोग से जूझ रहे व्यक्ति के लिए दर्द सहन करना भी मुश्किल हो जाता है। लेकिन गैंग्रीन होता कैसे है और इसके कारण क्या है आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं।

कैसे फैलता है शरीर में यह रोग?

डॉक्टर की मानें तो गैंग्रीन शरीर में ब्लड सर्कुलेशन में परेशानी आने के कारण होता है। इसके कारण शरीर के उस अंग तक रक्त नहीं पहुंच पाता जिसके कारण उस अंग के टिश्यू खत्म होने लगते हैं। यह समस्या किसी तरह की चोट, इंफेक्शन या अन्य कारणों से हो सकती है। गैंग्रीन की समस्या मुख्य तौर पर हाथ–पैरों में देखने को मिलती है। इसके अलावा इसमें शरीर की मांसपेशियां, अंदरुनी अंग जैसे गॉलब्लैडर को भी यह रोग अपनी चपेट में ले सकता है।

डायबिटीज से जूझ रहे लोगों को होता है ज्यादा खतरा

इस रोग के कारण त्वचा का रंग नीला या काला रंग का दिखने लगता है। गैंग्रीन होने पर लोगों का प्रभावित हिस्सा भी सुन्न हो जाता है। इस रोग की जांच करने के लिए डॉक्टर मरीज को एक्स–रे और एमआईआर टेस्ट करवाने की सलाह देते हैं ताकि यह पता लगाने में आसानी हो सके कि गैंग्रीन के कारण अंग के हिस्से पर कितना दुष्प्रभाव पड़ा है। जो लोग डायबिटीज से जूझ रहे हैं या फिर धूम्रपान या शराब का ज्यादा सेवन करते हैं उन्हें गैंग्रीन होने के खतरा ज्यादा रहता है क्योंकि इसके कारण ब्लड सर्कुलेशन पर दबाव पड़ता है। यदि इस रोग की सही समय पर पहचान की जाए तो ही इलाज भी संभव होता है।

कारण

ऑक्सीजन, पोषक तत्व और एंटीबॉडीज पहुंचाते हैं। परंतु जब टिश्यू तक रक्त ही ना पहुंच पाए तो वह डैमेज होने लगते हैं। इसके कुछ अन्य कारण है जैसे

.आपके टिश्यू में इंफेक्शन होना

. कुछ मैडिकल कंडिशन के कारण भी आपका ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित हो सकता है जैसे एथेरोस्कलेरोसिस, परिधीय धमनी रोग आदि।

. किसी तरह की गहरी चोट, गहरा घाव या फिर मांसपेशियां भी टिश्यू को प्रभावित कर सकती हैं।

. सर्जरी के बाद सर्कुलेशन प्रभावित होना

गैंग्रीन और शुगर का संबंध

शरीर में यदि खून का स्तर किसी भी कारण से बाधित होता है या फिर कम होता है तो शरीर में भी कई तरह की समस्याएं पैदा होने लगती हैं, क्योंकि खून के साथ ही शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह भी होता है जो जीवित रखने के लिए जरुरी है। परंतु जब शरीर में डायबिटीज के कारण शुगर की मात्रा ज्यादा हो जाती है तो धमनियां में प्रवाहित होने वाले रक्त में भी ग्लूकोज का स्तर बढ़ने लगता है। इसके कारण रक्त का प्रवाह भी प्रभावित होता है और टिश्यूज में भी पूरा तरह रक्त नहीं जा पाता ऐसी स्थिति में धीरे–धीरे टिश्यू डेड होने लगते हैं जो बाद में गैंग्रीन का कारण बन सकते हैं।

सही समय पर करवाएं इलाज

यदि आपको इस रोग के बारे में समय पर पता चल जाता है तो आप इसका इलजा करवा सकते हैं। रोग की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टर सर्जरी, एंटीबॉयोटिक्स दवाईयां, मैगोट थैरेपी और ऑक्सीजन थेरेपी चुन सकते हैं इन थेरेपीज के जरिए टिश्यू को दोबारा से ठीक करने के प्रयास किया जाता है लेकिन ऐसे में बेहद जरुरी है कि आप किसी भी तरह की चोट को नजरअंदाज न करें यह आपके लिए समस्या बन सकती है।

सोलो ट्रिप का बना रहे प्लान तो चेन्नई में जरूर घूमें ये फेमस जगह, कम बजट में पूरी होगी जर्नी

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई अपनी खूबसूरती के लिए देशभर में जाना जाता है। यहां पर कई हैरान करने वाले नजारे और स्वादिष्ट व्यंजन आपको बार–बार चेन्नई आने के लिए मजबूर करेंगे। कई लोग यहां पर दूर–दूर से अकेले ट्रेवल करने के लिए आते हैं। इसके साथ ही यहां पर महिलाएं भी बिना किसी टेंशन के अकेले यात्रा कर सकती हैं। महिलाओं के लिए चेन्नई में यात्रा करना अब तक का सबसे अच्छा अनुभव साबित हो सकता है। ऐसे में अगर आप भी सोलो ट्रिप प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चेन्नई की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आपको घूमने का प्लान बनाना चाहिए।

महाबलीपुरम

अगर आप भी अकेले चेन्नई ट्रिप प्लान कर रहे हैं, तो आपको एक बार महाबलीपुरम को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यह जगह चेन्नई से कुछ ही घंटों की दूरी पर है। महाबलीपुरम आने के लिए आपको सबसे पहले चेंगलपट्टू जिला आना होगा। यूनेस्को विश्व धरोहर में भी इस जगह का नाम शामिल है। प्राचीन चट्टानों को काटकर यहां मंदिर को बनाया गया है। इस मंदिर का शानदार नक्काशीदार मूर्तियां देखकर आप भी हैरान हो जाएंगे। क्योंकि इनको बेहद अनोखे तरीके से बनाकर तैयार किया गया है।

कांचीपुरम

वहीं चेन्नई के कांचीपुरम को श्मंदिरों के स्वर्ण शहरश के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर अकेले ट्रैवल करने वालों को सुकून का अनुभव होगा। अगर आप भी अकेले चेन्नई यात्रा पर जाने की योजना बना रहे हैं, तो आपको एक बार कांचीपुरम जरूर आना चाहिए। कांचीपुरम का इतिहास पल्लव राजवंश से जुड़ा हुआ है। यह शहर फेमस मंदिरों और रेशम की साड़ियों के लिए जाना जाता है। यहां पर जाने के दौरान आपको एकाम्बरेश्वर मंदिर और कैलाशनाथ मंदिर जरूर जाना चाहिए। पारंपरिक दक्षिण भारतीय संस्कृति को एक्सपीरियंस करने के लिए आप लोकल मार्केट भी घूमने जा सकते हैं।

ब्रीज़ी बीच

ब्रीजी बीच उन लोगों के लिए बेस्ट हैं, जिन लोगों को समुद्र की शांत लहरों के पास बैठना पसंद होता है। अकेले चेन्नई यात्रा करने के दौरान आप ब्रीजी बीच जरूर जाएं। समुद्र की लहरों की मनमोहक आवाज और सनसेट देखना आपकी यात्रा की थकान को मिटाने का काम करेगा।

खाने के बाद भूल से भी ना खाएं खट्टे फल, सेहत को होंगे ये नुकसान

ठंड के मौसम में हम सभी खट्टे फलों का सेवन जरूर करते हैं। इस मौसम में मार्केट में भी कई तरह के मौसमी खट्टे फल मिलते हैं। ये हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं और कोल्ड व फ्लू जैसी बीमारियों से बचाते हैं। लेकिन इन फलों को खाने का भी एक सही समय होता है। जब आप इनका सेवन गलत समय पर करते हैं तो इससे सेहत को फायदा कम और नुकसान अधिक होता है। अधिकतर लोग खाने के बाद खट्टे फल खाना पसंद करते हैं। जबकि इस समय इन्हें खाना पूरी तरह से अवॉयड करना चाहिए। तो चलिए जानते हैं कि खाने के बाद खट्टे फल खाने से आपकी सेहत को क्या–क्या नुकसान हो सकते हैं–

गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिसीज

खट्टे फल आमतौर पर एसिडिक होते हैं और जब भोजन के बाद इनका सेवन किया जाता है तो कुछ लोगों को जीईआरडी यानी गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिसीज के लक्षण नजर आ सकते हैं। खट्टे फलों के एसिडिक होने के कारण आपको हार्ट बर्न या फिर एसिड रिफ्लक्स की शिकायत हो सकती है। इसलिए खाने के बाइ इस तरह के फलों को खाने से बचना चाहिए।

पेट खराब होना

खाने के बाद अगर आप खट्टे फलों का सेवन करते हैं तो इससे आपको पेट खराब होने या फिर पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है। खासतौर से, अगर आपका पेट संसेटिव है या फिर आपको अक्सर डाइजेशन से जुड़ी शिकायत रहती हैं तो इसकी संभावना काफी बढ़ जाती है।

आयरन अब्जार्बशन में समस्या

अगर आप खाने के बाद खट्टे फल खाते हैं तो आपका पेट तो भर जाता है, लेकिन आपको खाने के पोशक तत्व नहीं मिल पाते हैं। दरअसल, खट्टे फलों में ऐसे कंपाउंड होते हैं जो आपके भोजन से नॉन–हीम आयरन के अवशोषण में बाधा पैदा कर सकते हैं। नॉन–हीम आयरन प्लांट बेस्ड फूड में पाया जाने वाला आयरन का एक टाइप है। अगर आपको पहले से ही आयरन की कमी की शिकायत है तो ऐसे में आपकी स्थिति बद से बदतर हो सकती है।

संक्षिप्त

आयकर कानून की भाषा, संरचना, संभावित कराधान पर ज्यादा सुझाव मिलेः सीबीडीटी चेयरमैन

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा कि पुराने प्रत्यक्ष कर कानून की समीक्षा कर रही आयकर विभाग की आंतरिक समिति को कानून की सरल बनाने, प्रावधानों को बेहतर ढंग से पेश करने और संभावित कराधान जैसी योजनाओं का दायरा बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर सुझाव मिले हैं। अग्रवाल ने कहा कि समीक्षा पैनल ने ब्रिटेन,ऑस्ट्रेलिया और कुछ अन्य देशों में की गई इसी तरह की समीक्षा कार्रवाई से जुड़े विचार–विमर्श और प्रक्रियाओं का भी अध्ययन किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल के अपने बजट भाषण में आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा किए जाने की घोषणा की थी। इस समीक्षा का उद्देश्य इस भारी भरकम अधिनियम को संक्षिप्त, स्पष्ट और समझने में आसान बनाना था ताकि कर विवादों में कमी आए और करदाताओं को अधिक कर निश्चितता मिले। इसके बाद आयकर विभाग की एक आंतरिक समिति बनाई गई जिसने जनता से चार श्रेणियों– का सरलीकरण, मुक़दमेबाजी में कमी, अनुपालन में कमी और अनावश्यक या अप्रचलित प्रावधान पर सुझाव आमंत्रित किए थे। समीक्षा समिति को विभिन्न हितधारकों से आयकर कानून में संशोधनों से जुड़े करीब 6,500 सुझाव मिले हैं। सीतारमण ने शनिवार को वित्त वर्ष 2025–26 के लिए अपने बजट भाषण में कहा कि सरकार आने वाले सप्ताह में संसद में नया आयकर विधेयक पेश करेगी, जो 1961 के आयकर कानून की जगह लेगा। इस बारे में अग्रवाल ने कहा कि आंतरिक समिति को अधिनियम की के सरलीकरण, विभिन्न प्रावधानों की संरचना के बारे में सुझाव मिले और संभावित कराधान लागू होने की संभावना वाले क्षेत्रों को लेकर बड़े पैमाने पर सुझाव मिले। संभावित कराधान योजना छोटे करदाताओं को कुछ परिस्थितियों में नियमित बही–खाता बनाए रखने के थकाऊ काम से राहत देने का काम करती है। इस योजना को चुनने वाला व्यक्ति एक निर्धारित दर पर आय घोषित कर सकता है और इसके बदले में उसे लेखा परीक्षा के लिए बही–खाता रखने से राहत मिलती है। सीबीडीटी प्रमुख ने नए आयकर विधेयक के बारे में कहा, इसे जिस तरह से तैयार किया गया है, वह करदाता के लिए वास्तव में अधिनियम के प्रावधानों की समझ को आसान बनाना है। इसके अलावा इसमें कुछ पुराने प्रावधानों को भी हटाया जा सकता है।

वैश्विक एआई क्रांति में भारत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, दिल्ली में चंद्रबाबू नायडू का बयान

नई दिल्ली, एजेसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि भारत कृत्रिम मेधा (एआई) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है और वैश्विक आर्थिक वृद्धि में प्रमुख चालक के रूप में उभर रहा है। यहां 16वें वित्त आयोग की बैठक से ठीक पहले संवाददाता सम्मेलन में नायडू ले कहा कि दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच में भारत के विकास पथ में वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण रुचि दिखी। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख ने पत्रकारों से कहा कि भारत वैश्विक आर्थिक वृद्धि के लिए आकर्षण का केंद्र है। नायडू ने 1995 की आईटी क्रांति व वर्तमान विकास के बीच समानताएं बताते हुए कहा कि एआई आज के समय की जरूरत बन गई है और इसका इस्तेमाल सभी क्षेत्रों में हो रहा है। उन्होंने कहा, 1995 में यह सूचना प्रौद्योगिकी थी और 2025 में यह एआई है। उस समय मैं इसका हिस्सा था और आज भी मैं इसका हिस्सा हूं और सत्ता में हूं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि कृत्रिम मेधाा और हरित ऊर्जा पहल खासकर से हरित हाइड्रोजन उत्पादन... दो प्रमुख विषय हैं जो दावोस में चर्चाओं में छाए रहें। उन्होंने हरित ऊर्जा समाधानों और 'डाउनस्ट्रीम' उद्योगों के माध्यम से 'ग्लोबल वार्मिंग' को कम करने पर अधिक ध्यान देने की भी वकालत की।

होम–स्टे के लिए बजट में मुद्रा ऋण का विस्तार, एसबीआई ने कहा– 1500 करोड़ रुपये का अवसर पैदा होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, होमस्टे के लिए मुद्रा ऋण का विस्तार पर्यटन क्षेत्र में छोटे व्यवसायों को एक महत्वपूर्ण अवसर देगा। सरकार की ओर से बजट 2025–26 में शिशु श्रेणी के तहत 1,500 करोड़ रुपये के संभावित ऋण का एलान किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पर्यटकों की बढ़ती आमद के कारण होमस्टे की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है। देश भर में लगभग 3 मिलियन होमस्टे की अनुमानित आवश्यकता है। मुद्रा ऋण के विस्तार से छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करके इस बढ़ते क्षेत्र को मदद मिलने की उम्मीद है। इस ऋण से उन्हें अपने होमस्टे व्यवसायों को स्थापित करने और विस्तार करने में मदद मिलेगी। एसबीआई ने कहा होमस्टे के लिए मुद्रा ऋण के विस्तार के साथ, शिशु श्रेणी के तहत लगभग 1,500 करोड़ रुपये के ऋण का अवसर पैदा हुआ है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत छोटे उद्यमी तीन श्रेणियों– शिशु (50,000 रुपये तक), किशोर (50,001 रुपये से 5 लाख रुपये) और तरुण (5 लाख रुपये से 10 लाख रुपये) के तहत ऋण ले सकते हैं। वर्तमान में, होमस्टे के लिए मुद्रा ऋण पहल शिशु श्रेणी पर केंद्रित है, जिसमें अनुमानित रूप से 1,500 करोड़ रुपये के ऋणों के मौके उपलब्ध हैं। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि इसे किशोर श्रेणी तक बढ़ाया जाता है, तो संभावित ऋण वितरण का आंकड़ा लगभग 8,250 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। सरकार की पहल का उद्देश्य पर्यटन से संबंधित व्यवसायों में उद्यमशीलता को बढ़ावा देकर स्थानीय आतिथ्य क्षेत्र को बढ़ावा देना है। इससे न केवल आवास की उपलब्धता बढ़ेगी बल्कि ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में रोजगार पैदा करके आर्थिक विकास में भी योगदान मिलेगा। इसके अलावा, सरकार परिवहन संपर्क बढ़ाकर प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय टीम से राहुल–यशस्वी आउट, मोहम्मद शमी को मिल सकता है मौका

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खत्म हो चुकी है। जिसे भारत ने 4–1 से अपने नाम किया। वहीं अब दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आगाज होगा। जिसकी शुरुआत 6 फरवरी से होगी और टीम इंडिया जीत के साथ शुरुआत करना चाहेगी। हालांकि, वनडे फॉर्मेट में काफी कुछ बदल जाता है और इंग्लैंड भी वापसी की पूरी कोशिश करेगा। जोस बटलर की टीम के खिलाफ भारत रोहित शर्मा की कप्तानी में पहला वनडे मैच नागपुर में खेलेगा। वनडे सीरीज में टीम इंडिया के स्टार प्लेयर्स खेलते हुए नजर आएंगे जिसमें रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, मोहम्मद शमी, रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड को पहले मैच में हारने के लिए भारत को अपनी बेस्ट अंतिम ग्यारह के साथ उतरना होगा। भारत के लिए इस मैच में पारी की शुरुआत रोहित शर्मा के साथ शुभमन गिल कर सकते हैं। हालांकि, भारत की टीम में यशस्वी जायसवाल भी हैं, लेकिन फिलहाल उन्हें इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि गिल और रोहित की जोड़ी वनडे में बतौर ओपनर काफी सफल रही है। वहीं गिर का बतौर ओपनर वनडे में काफी अच्छी रिकॉर्ड भी रहा है और अनुभव के मामले में वो यशस्वी भी हैं, लेकिन फिलहाल उन्हें इंतजार करना पड़ा सकता है क्योंकि गिल और रोहित की जोड़ी वनडे में बतौर ओपनर काफी सफल रही है। वहीं गिल का बतौर ओपनर वनडे में काफी अच्छी रिकॉर्ड भी रहा है और अनुभव के मामले में वो यशस्वी से काफी आगे हैं। टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में कौन भारत की पहली पसंद हो सकता है इस पर सबकी निगाहें रहने वाली है। टीम में ऋषभ पंत और केएल राहुल दोनों ही हैं और दोनों शानदार खिलाड़ी हैं। वर्ल्ड कप के दौरान जब पंत उपलब्ध नहीं थे तब केएल राहुल का इस्तेमाल बतौर विकेटकीपर किया गया था, लेकिन पंत के आने के बाद उनके पास थोड़ा सा एज है क्योंकि बतौर विकेट कीपर वो राहुल से बेहतर जरूर हैं। हां, इसमें कोई शक नहीं है कि दोनों शानदार बल्लेबाजी हैं। ये देखना दिलचस्प होगा कि प्लेइंग इलेवन में राहुल बनाम पंत में कौन बाजी मारेगा। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो वनडे मैच के लिए बुमराह भारतीय टीम में नहीं हैं ऐसे में भारतीय पेस अटैक की जिम्मेदारी शमी संभाव सकते हैं। शमी ने पांचवें टी20 मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की और 3 विकेट लिए। इससे शमी का हौसला जरूर बढ़ेगा और पहले वनडे में उनका साथ अर्शदीप सिंह निभाते नजर आ सकते हैं। वहीं टीम में स्पिन ऑलराउंडर की बात करें तो रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल हो सकते हैं। जबकि कुलदीप यादव को भी प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है।

पहले वनडे के लिए भारत की संभावित टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी।

बांग्लादेश टी20 लीग में हाईवोल्टेज ड्रामा, सैलरी नहीं देने पर बस ड्राइवर ने खिलाड़ियों की किट लॉक की

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी दरबार राजशाही क्रिकेट की दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि फ्रेंचाइजी को अभी तक अपने विदेशी खिलाड़ियों और स्टाफ मेंबर्स की फीस नहीं दी है। राजशाही के मालिक शफीक रहमान ने पहले घोषणा की थी कि विदेशी क्रिकेटरों के अपने–अपने देशों में लौटने के लिए टिकट बुक किए गए हैं। हालांकि, बकाए का भुगतान नहीं होने के कारण कई बड़े नाम ढाका के टीम होटल में फंसे हुए हैं।

खिलाड़ियों को नहीं मिला सैलरी का कुछ हिस्सा

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विदेशी खिलाड़ियों ने अपने भुगतान के लिए टीम प्रबंधन से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। मोहम्मद हारिस (पाकिस्तान), आफताब आलम (अफगानिस्तान), मार्क दयाल (वेस्टइंडीज), रेयान बर्ल (जिम्बाब्वे) और मिगुएल कमिंस (वेस्टइंडीज) सभी अपने भुगतान के कुछ हिस्से का इंतजार कर रहे हैं।

बस ड्राइवर ने किट बस के अंदर बंद किया

रिपोर्ट के मुताबिक, श्टीम मालिकों ने भुगतान करने का वादा किया था, लेकिन दरबार राजशाही शिविर के कई स्थानीय क्रिकेटर बिना भुगतान किए होटल के कमरे से चेक आउट हो गए। यह मामला तब बदतर हो गया जब दरबार राजशाही फ्रेंचाइजी और उसके खिलाड़ी एक और परेशानी में फंस गए। फ्रेंचाइजी ने अभी तक अपने बस चालक को सैलरी नहीं दे सकी है, जो पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों और स्टाफ को देश भर के स्टेडियम का दौरा करा रहा था।

ड्राइवर ने कहा– किट तब देंगे जब सैलरी मिलेगी

फ्रेंचाइजी को अपनी गलती का अहसास कराने के लिए बस ड्राइवर ने राजशाही के सभी खिलाड़ियों के किट बैग और सामान को बस के अंदर लॉक कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों को उनके बकाए की मंजूरी के बाद ही उनके किट बैग वापस मिलेंगे। उन्होंने कहा, श्यह अफसोस और शर्म की बात है। अगर फ्रेंचाइजी ने हमें भुगतान किया होता, तो हम खिलाड़ियों को किट बैग वापस कर देते।श राजशाही के बस चालक मोहम्मद बाबुल ने टीम होटल के सामने कहा, श्अब तक मैंने अपना मुंह नहीं खोला है, लेकिन अब मैं कह रहा हूं कि अगर वे हमारा भुगतान कर दें तो हम जा सकते हैं।

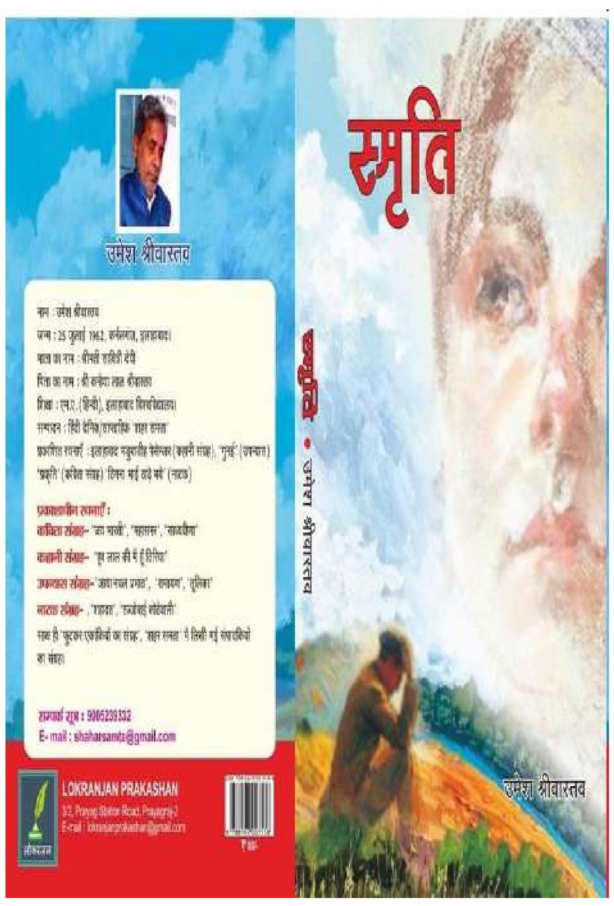

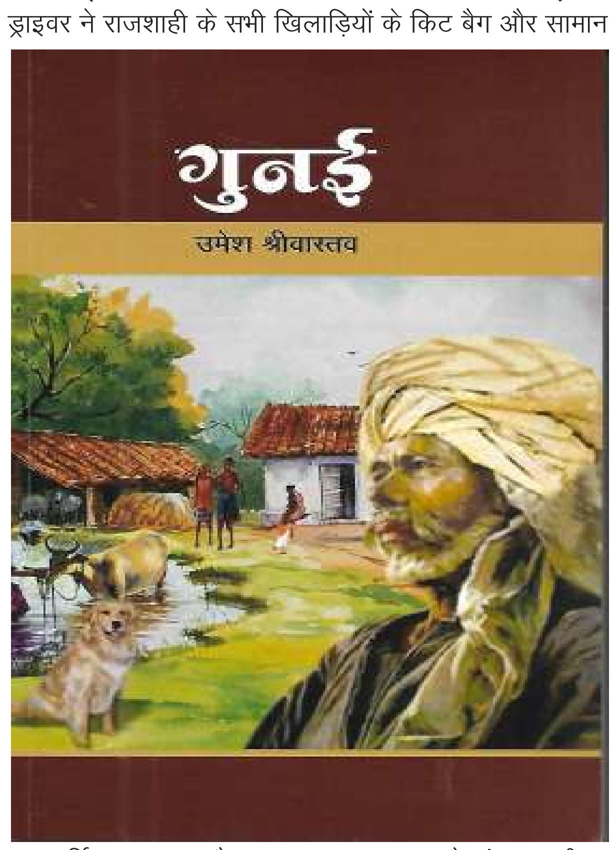

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

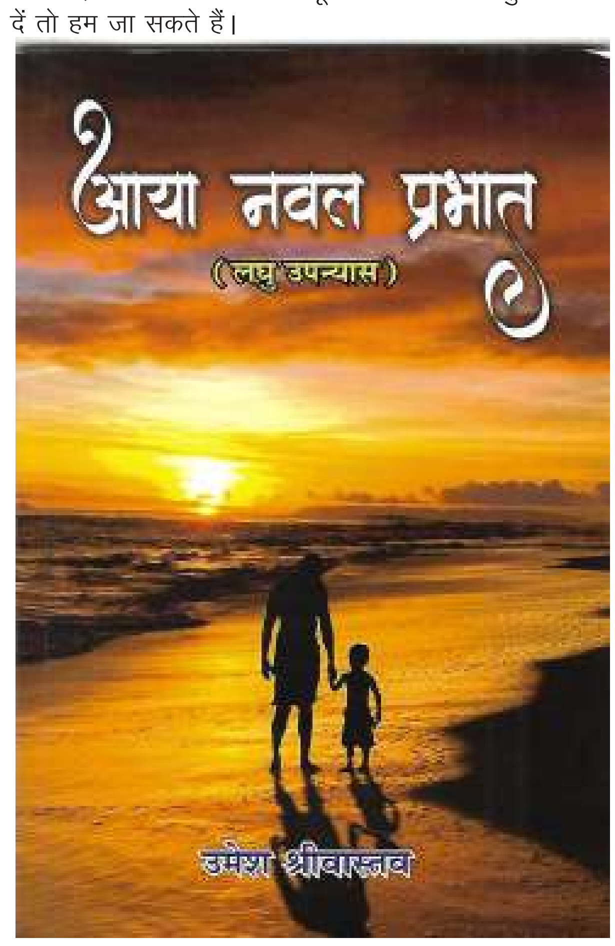

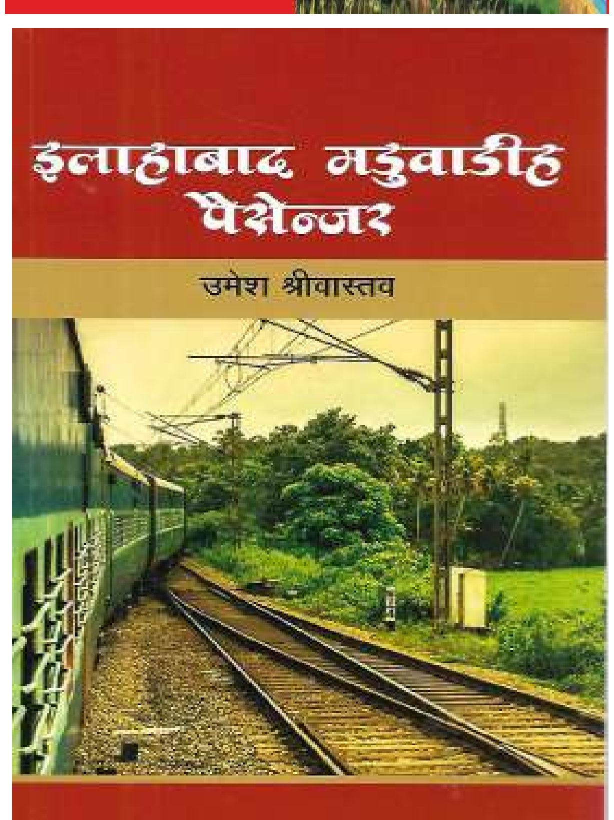

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

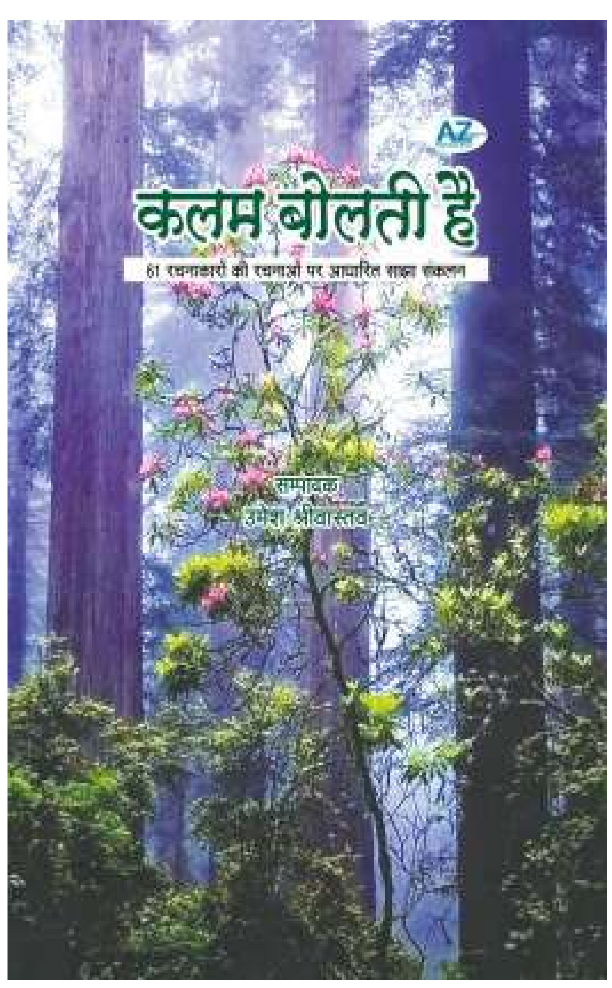

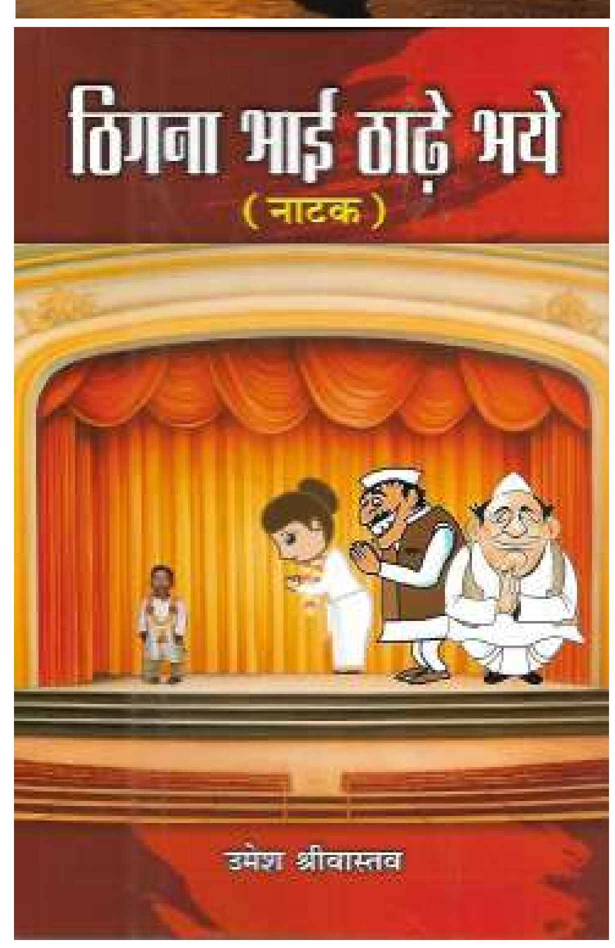

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नेपाल में ऑनलाइन सट्टा रैकेट का भंडाफोड़, गिरफ्तार 24 लोगों में 10 भारतीय शामिल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने तीन अरब रुपये से अधिक के ऑनलाइन सट्टा रैकेट का भंडाफोड़ किया है और दस भारतीय नागरिकों सहित 24 लोगों को गिरफ्तार किया है। काठमांडू घाटी अपराध जांच कार्यालय के पुलिस अधीक्षक काजी कुमार आचार्य के अनुसार, एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की एक विशेष टीम ने शनिवार को ललितपुर महानगर के सानेपा इलाके में दो घरों पर छापेमारी की और 10 भारतीय नागरिकों तथा 14 नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया, जो ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर लोगों को ठगते हुए पाए गए। गिरफ्तार किए

गए 10 भारतीयों में अजीत कुमार, मुकेश मंडल, मनोज कुमार बजाज, सुमित खत्री, प्रभात कुमार साह, ओम प्रकाश खत्री, रवि प्रकाश बिश्वकर्मा, रवि अभिषेक ओझा, शिवम पांडे और मनोज कुमार शामिल हैं। आचार्य ने कहा कि गिरफ्तार किए गए ज्यादातर लोग उत्तर प्रदेश से हैं। आरोपी ललितपुर के सानेपा स्थित किराये के दो मकानों से अवैध ऑनलाइन सट्टा चला रहे थे। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उन्होंने 3,047,356,612 नेपाली रुपये का लेनदेन किया था। आरोपियों के पास से 57 मोबाइल फोन, 13 लैपटॉप, विभिन्न बैंकों के 34 एटीएम कार्ड, 88 सिम कार्ड, 12 चेक बुक, आठ आधार कार्ड और छह पासपोर्ट भी जब्त किए गए हैं।

मुंबई के पारसी जिमखाना में ऋषि सुनक ने टेनिस बॉल से खेला क्रिकेट

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक इन दिनों भारत में हैं। उन्होंने रविवार को दक्षिण मुंबई स्थित पारसी जिमखाना का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने टेनिस बॉल से क्रिकेट खेलने का लुत्फ उठाया। सुनक ने टेनिस बॉल से क्रिकेट खेलने के दौरान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर भी साझा की है। सुनक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, टेनिस बॉल से क्रिकेट खेले बिना मुंबई की कोई यात्रा पूरी नहीं मानी जाती। पारसी जिमखाना में संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'पारसी जिमखाना क्लब के स्थापना दिवस समारोह में आप सभी के बीच होकर बहुत खुशी महसूस हो रही है। यह एक असाधारण उपलब्धि है। इतने सारे इतिहास और इतनी सारी रोमांचक चीजों का गवाह बना। मैं आज सुबह ज्यादा बार आउट नहीं हुआ।' सुनक ने कहा कि वह इस तरह की और यात्राएं करने के इच्छुक हैं। पारसी जिमखाना की स्थापना 25 फरवरी 1885 को की गई थी और सर जमशेदजी जेजीभॉय को इसका संस्थापक अध्यक्ष, जबकि जमशेदजी टाटा को अध्यक्ष नियुक्ति किया गया था। 1887 में पारसी जिमखाना को उसके वर्तमान स्थान सुरम्य मरीन ड्राइव पर स्थानांतरित कर दिया गया था।

उत्तरी सीरिया में भीषण कार बम विस्फोट, 15 लोगों की मौत

सीरिया में भीषण बम धमाका हुआ है। इस दौरान कम से कम 15 लोगों के मारे जाने की खबर है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार को उत्तरी सीरियाई शहर के बाहरी इलाके में एक कार बम विस्फोट में कम से कम 15 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। मनबीज शहर के बाहरी इलाके में कार में विस्फोट हुआ। धमाका तब हुआ, जब कार के बगल से एक वाहन कृषि श्रमिकों को ले जाते हुए गुजर रहा था। इसमें 14 महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई। अन्य 15 महिलाएं घायल हो गईं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। हालांकि, ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि 18 महिलाओं के साथ–साथ एक पुरुष की भी मौत हो गई। दिसंबर में राष्ट्रपति बशर असद के पतन के बाद भी उत्तरपूर्वी अलेप्पो प्रांत के मनबीज में हिंसा जारी है, जहां तुर्किये समर्थित गुट (सीरियन नेशनल आर्मी) अमेरिका समर्थित कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज के साथ संघर्ष करते रहते हैं।

मोहम्मद यूनुस ने हिंदू समुदाय को सरस्वती पूजा की दीं शुभकामनाएं, बोले- यह देश सभी का है

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को सरस्वती पूजा के अवसर पर अल्पसंख्यक समुदाय को शुभकामनाएं देते हुए दावा किया कि बांग्लादेश, सांप्रदायिक सद्भाव का घर है। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश अपने सभी नागरिकों का है और धर्म या जाति से परे सभी लोगों के लिए एक सुरक्षित स्थान है। बांग्लादेश में हिंदुओं ने सोमवार को सरस्वती पूजा मनाई। रविवार को जारी एक संदेश में मोहम्मद यूनुस ने कहा कि श्बांग्लादेश सांप्रदायिक सद्भाव का निवास है। हजारों वर्षों से, अलग–अलग जाति, रंग और धर्म के बावजूद सभी लोग इस देश में एक साथ रह रहे हैं।श उन्होंने कहा, श्देश धर्म या जाति से परे सभी लोगों का घर है।श मोहम्मद यूनुस ने पिछले साल हुए विद्रोह के बाद देश के अंतरिम नेता के रूप में कमान संभाली थी। यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार जाति, धर्म और जाति से परे सभी के जीवन को बेहतर बनाने और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। मोहम्मद यूनुस ने कहा कि श्देवी सरस्वती सत्य, न्याय और ज्ञान के प्रकाश की प्रतीक हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

पाकिस्तानियों की हरकत पर सऊदी अरब हुआ सख्त, भिखारियों के खिलाफ सऊदी सरकार का एक्शन

संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने रविवार को कराची के जिन्ना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सऊदी अरब से निर्वासित 10 षभिखारियोंष को गिरफ्तार किया। एफआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि संदिग्ध लोग उमराह वीजा पर यात्रा करने के बावजूद राज्य में भीख मांग रहे थे। गिरफ्तार किए गए लोग राजनपुर, काशमोर, नौशहरो फिरोज, लाहौर, पेशावर, मोहम्मद और लरकाना के हैं। प्रवक्ता ने कहा, संदिग्धों को कानूनी कार्रवाई करने के लिए कराची में एजेंसी के मानव विरोधी तस्करी सर्किल में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके बाद, आव्रजन अधिकारियों ने देश के सभी हवाई अड्डों पर जांच प्रक्रिया को कड़ा कर दिया और विदेश जाने वाले यात्रियों की हर तरह से जांच की। इन कार्रवाइयों के बाद पिछले महीने संघीय सरकार ने मानव तस्करी रोकथाम अधिनियम, 2018 में संशोधन करके भीख मांगने को अपराध घोषित करने का फैसला किया। इस संबंध में, गृह मंत्रालय ने मानव तस्करी रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2024 भी प्रस्तुत किया था, जिसका उद्देश्य धारा 3 में ष्संगठित भीख मांगनेष को जोड़कर मौजूदा कानून में

बदलाव करना था।

उमराह की आड़ में मांग रहे थे भीख

संबंधित अधिनियम में प्रस्तावित बदलाव तब किए गए हैं जब कई देशों द्वारा भीख मांगने का मुद्दा उठाया गया है, जिसमें खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों, इराक और मलेशिया में पाकिस्तान के राजनयिक मिशनों ने भी इसकी पुष्टि की है। यह देखते हुए कि हज, उमराह और अन्य धार्मिक तीर्थयात्राओं के लिए इन देशों में जाने वाले पाकिस्तानी भीख मांगने में लिप्त पाए गए हैं, राजनयिक मिशनों ने, जैसा कि संशोधन मसौदे में दावा किया गया है, पाकिस्तानी अधिकारियों से भीख मांगने वालों और उनके पीछे के गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है। नवंबर 2024 में, सरकार ने गृह मंत्री मोहसिन नकवी और सऊदी अरब के राजदूत नवाफ बिन सईद अहमद अल मलिकी के बीच एक बैठक के बाद 4,300 भिखारियों के नाम एग्जिट कंट्रोल लिस्ट (ईसीएल) में डाल दिए। हाल के सप्ताहों में सैकड़ों पाकिस्तानियों को दस्तावेजों में अनियमितताओं, अपर्याप्त यात्रा निधि, प्रक्रियागत कमियों, अपराधों में संलिप्तता, भीख मांगने आदि के कारण खाड़ी देशों से निर्वासित किया गया है। इस बीच, मानव तस्करी की चिंताओं को दूर करने के लिए, सरकार ने हवाई अड्डों पर सख्त जांच के उपाय भी लागू किए हैं, जिसमें एफआईए ने अपने आव्रजन उप निदेशकों को यात्रियों को विमान में चढ़ने के लिए मंजूरी देते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। निर्देशों के अनुसार, अज़रबैजान, इथियोपिया, सेनेगल, केन्या, रूस, सऊदी अरब, मिस्र, लीबिया, ईरान, मॉरिटानिया, इराक, तुर्किये, कतर, कुवैत और किर्गिस्तान की यात्रा करने वाले यात्रियों की प्रोफाइलिंग की एक बेहतर प्रणाली लागू की जानी चाहिए।

सऊदी अरब पाकिस्तानियों के लिए नंबर वन गंतव्य बन गया है

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (डम्छ।) क्षेत्र में लोकप्रिय यात्रा सेवा ऐप ष्वीगोष के अनुसार, सऊदी अरब पाकिस्तानी यात्रियों के लिए शीर्ष गंतव्य बन गया है, जहाँ राज्य में आने वाले पाकिस्तानियों की संख्या में 100ः वार्षिक वृद्धि हुई है। सऊदी अरब का पर्यटन उद्योग तेजी से विस्तार कर रहा है, जो कि लाल सागर पर एक भविष्य का शहर छम्व्ड और लाल सागर परियोजना जैसी महत्वाकांक्षी मेगा–परियोजनाओं द्वारा संचालित है, जो वैश्विक पर्यटन मानकों को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। अपने विज़न 2030 के तहत, सऊदी अरब पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास कर रहा है, और यह उन हज़ारों पाकिस्तानियों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बना हुआ है जो धार्मिक कर्तव्यों के लिए सालाना यात्रा करते हैं, खासकर रमजान के दौरान जब वे तीर्थयात्रा और उमराह के लिए मक्का और मदीना के पवित्र शहरों की यात्रा करते हैं।

सऊदी अरब की फ्लाईडील ने रियाद से कराची तक पहली उड़ान के साथ पाकिस्तान में परिचालन शुरू किया

सऊदी अरब की कम लागत वाली एयरलाइन फ्लाईडील ने रियाद से कराची के लिए पहली उड़ान के साथ पाकिस्तान में अपना परिचालन शुरू कर दिया है, एक एयरलाइन अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। जेद्दा में मुख्यालय वाली फ्लाईडील सऊदी राष्ट्रीय ध्वज वाहक, सउदिया की सहायक कंपनी है और इसे 23 सितंबर, 2017 को लॉन्च किया गया था। शुरुआत में, इसने किंगडम के भीतर ही गंतव्यों के लिए उड़ान भरी, लेकिन जून 2022 में दम्मम से काहिरा के लिए उड़ानें शुरू करके अपने नेटवर्क का विस्तार किया। फ्लाईडील द्वारा पाकिस्तान में परिचालन का विस्तार करने का कदम ऐसे समय उठाया गया है जब सऊदी अरब विज़न 2030 कार्यक्रम के तहत अपने पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देना चाहता है, जिसका उद्देश्य दशक के अंत तक किंगडम में सालाना 150 मिलियन से अधिक घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करना है।

इस देश ने किया अमेरिका का तगड़ा इलाज, टैरिफ लगाने चले थे ट्रंप

वासिंग्टन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ का जवाब मैक्सिको ने टैरिफ लगा कर दिया है। दरअसल, ट्रंप ने मैक्सिको से आने वाले समाना पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने वाले एक आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। अब उसके जवाब में मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया द्वारा कहा गया है कि अमेरिका की तरफ से मैक्सिकन वस्तुओं पर टैरिफ लगाने के बाद उन्होंने अपने अर्थव्यवस्था मंत्री को मैक्सिको के हितों की रक्षा के लिए टैरिफ और गैर टैरिफ उपायों को लागू करने का आदेश दिया है। क्लाउडिया शीनबाम ने एक पोस्ट में जोर देकर कहा कि उनकी सरकार अमेरिका के साथ टकराव नहीं बल्कि सहयोग और बातचीत चाहती है। आपको बता दें कि मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने बार बार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ

तनाव को शांत करने की कोशिश की है। उन्होंने अक्टूबर में मैक्सिको के राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद से अबतक की अपनी सरकार के कामकाज की प्रशंसा की है। शीनबाम ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान घातक फंटनाइल की 20 मिलियन खुराक जब्त की गई। साथ ही नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक लाख से अधिक आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। आपको बता दें कि इससे पहले व्हाइट हाउस ने कहा कि कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत तथा चीन से आयात होने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) शनिवार से लागू होंगे। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि क्या इन उपायों में कोई छूट होगी क्योंकि इन टैरिफ के परिणामस्वरूप अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए सामान काफी महंगे हो सकते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में इन टैरिफ की घोषणा की थी। रिपब्लिकन नेता ट्रंप अवैध आव्रजन और 'फेंटेनाइल' के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रसायनों की तस्करी को रोकने के लिए देशों से अधिक सहयोग सुनिश्चित करने के मद्देनजर टैरिफ लगाने का दावा कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा है कि इसका मकसद घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने संवाददाताओं से कहा कि 1 फरवरी से ये शुल्क लागू हो होंगे। ये वादे राष्ट्रपति द्वारा किए गए थे और अब इन्हें पूरा किया जा रहा है। ट्रंप ने कहा था कि वह कनाडा और मैक्सिको से तेल आयात के लिए छूट जारी रखने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन लेविट ने कहा कि उनके पास राष्ट्रपति के किसी भी संभावित कटौती के फैसले के बारे में साझा करने के लिए कोई जानकारी नहीं है।

ट्रंप ने की यूएसएआईडी को बंद करने की तैयारी, मस्क बोले- राष्ट्रपति से बात हो चुकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद अमेरिकी प्रशासन लगातार नए आदेश जारी कर रहा है। अब ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (ैन्।प्क्) को बंद करने की तैयारी की है। सोमवार सुबह अमेरिकी के सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख और टेस्ला सीईओ एलन मस्क ने कहा कि अब अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी बंद होने के कगार पर है। मैंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ इस एजेंसी के बारे में विस्तार से बात की। राष्ट्रपति ने सहमति जताई है कि हमें इसे बंद कर देना चाहिए। आइए जानते हैं क्या है अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी, यह क्या काम करती है और इसे क्यों बंद किया जा रहा है? अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी का यूएस सरकार की एक स्वतंत्र एजेंसी है। इसकी स्थापना 1961 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने की थी। ये एजेंसी नागरिक विदेशी सहायता और विकास सहायता के प्रशासन पर नजर रखती है। इस संस्था का मिशन वैश्विक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, आपदा और लोकतांत्रिक सुधार के मुद्दे पर काम करना है। यह एजेंसी मौजूदा समय में 100 से अधिक देशों में काम करती है। यह एजेंसी कई बार मानवीय संकटों को दूर करने में वैश्विक स्तर पर मदद करके अमेरिका की विदेश नीति को आगे बढ़ा चुकी है।

एजेंसी को ट्रंप ने दिया बड़ा झटका

पिछले दिनों अमेरिका के विदेश विभाग की ओर से सभी विदेशी वित्तपोषण पर रोक लगाने के फैसले से एजेंसी को बड़ा झटका लगा है। वित्तपोषण पर रोक के दौरान अमेरिकी विदेश विभाग इस बात की समीक्षा करेगा कि कौन सी अमेरिकी सहायता और विकास कार्यक्रमों को जारी रखा जा सकता। इस आदेश के बाद अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के कई मानवीय, विकास और सुरक्षा कार्यक्रम बंद हो गए। इसके चलते सहायता संगठनों से हजारों लोगों की छंटनी हुई। कर्मचारियों को छुट्टियों और अवकाशों के आदेश दिए गए हैं। एजेंसी को इसलिए बंद किया जा रहा है क्योंकि ट्रंप प्रशासन का मानना है कि एजेंसी का बड़ा खर्च अमेरिका के लिए ठीक नहीं है। सोमवार सुबह ट्रंप के सहयोगी और टेक दिग्गज एलन मस्क ने एक्स पर एक लाइव सत्र में अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी को लेकर बात की। मस्क ने कहा कि यह स्पष्ट हो गया कि यह कोई कीड़ा वाला सेब नहीं है। हमारे पास सिर्फ कीड़ों का एक गोला है। आपको मूल रूप से इससे छुटकारा पाना होगा। यह मरम्मत से परे है। हम इसे बंद कर रहे हैं। मस्क ने एक अन्य एक्स पोस्ट में यह भी कहा कि क्या आप जानते हैं कि ैन्।प्क् ने आपके टैक्स के पैसे का उपयोग करके कोविद–19 सहित जैव हथियार अनुसंधान की फंडिंग की गई, जिससे लाखों लोग मारे गए? यूएसएआईडी एक आपराधिक संगठन है। इसे खत्म करने का समय आ गया है। रविवार रात को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि यह एजेंसी कट्टरपंथी पागलों के एक समूह द्वारा चलाई जाती है और हम उन्हें बाहर निकाल रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

3 ताकतवर देशों में भारत के लिए हुई जंग, मोदी होंगे किसके साथ ?

दुनिया में सबसे ताकतवर देशों की लिस्ट में भारत चौथे नंबर पर आता है। भारत से पहले अमेरिका, चीन और रूस आते हैं। अब भारत के लिए इन तीनों देशों में जंग शुरू हो गई है। भारत के लिए अमेरिका, रूस और चीन में बड़ी कोल्ड वॉर शुरू हो गई है। ये तीनों ही देश भारत को खुश करने के लिए आपस में भिड़ रहे हैं। इतिहास में पहली बार रूस और अमेरिका के पांचवी पीढ़ी के फाइटर जेट बैंगलुरू एयर शो में आमने सामने होंगे। रूस और

अमेरिका दोनों ही भारत को अपनी तरफ करने में लगे हैं। यहां तक की चीन भी भारत को खुश करने के लिए रामायण पाठ करवा रहा है। कैलाश मानसरोवर यात्रा दोबारा शुरू कर रहा है। कुल मिलाकर कहे तो अमेरिका, चीन और रूस अपने अपने फायदे के लिए भारत को अपने खेमे में करना चाहते हैं। चीनों जानते हैं कि भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और डिफेंस पावर है। भारत जिसके साथ होगा उसका पलड़ा भारी होगा। अमेरिका भारत को अपनी तरफ कर रूस और चीन का मुकाबला करना चाहता है। चीन अमेरिका से बचने के लिए भारत पर डोरे डाल रहा है। इन दोनों के अलावा रूस भी भारत को अमेरिका से दूर रखना चाहता है। ये जंग बहुत दिलचस्प और खतरनाक है। चीन अचानक भारत का सबसे पक्का दोस्त बनने की कोशिश कर रहा है। धनुष उठाते राम, फिर राम सीता का विवाह, लक्षम्ण का मूर्छित होना, रावण वध सभी कुछ चीनी कलाकारों के द्वारा बीजिंग में किया गया। चीन में भारतीय दूतावास की तरफ से ये तस्वीरें शेयर की गई। रामायण के अलावा भी चीन ने भारत के लिए अपनी बांहे खोल दी हैं। चीन ने भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी से मुलाकात की। वहीं अपने आप ही बोलना शुरू कर दिया कि कैलाश मानसरोवर की यात्रा दोबारा शुरू करते हैं। भारत से चीन के बीच सीधा फ्लाइट को भी दोबारा शुरू करते हैं। मामला इतने पर ही नहीं रुका। अब तो भारत और चीन के बीच डिप्लोमैटिक रिश्तों के 75 साल पूरे होने पर कोलकाता में चीन के काउंसिल जनरल ने एक शानदार पार्टी का आयोजन भी किया। पूरी दुनिया हैरान है कि चीन को क्या हो गया है। दरअसल, ये चीन की मजबूरी है। उसे पता है कि भारत के साथ जबतक रूस और अमेरिका खड़े रहेंगे। भारत को खतरनाक हथियार बेचते रहेंगे। तब तक चीन भारत का कुछ नहीं बिगाड़ सकता। चीन ये भी जानता है कि आने वाले दिनों में डोनाल्ड ट्रंप उसके लिए बड़ा खतरा बनने वाले हैं। उसकी बानगी 10 फीसदी टैरिफ लगाकर ट्रंप ने दिखा भी दी है। चीन ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में मुकदमा दायर करेंगे। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि चीन चीनी वस्तुओं पर अमेरिका के अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ का दृढ़ता से विरोध करता है। इसकी कड़ी निंदा भी करता है। चीन विश्व व्यापार संगठन के पास मामला दायर करेगा और अपने हितों की रक्षा के लिए उचित जवाबी कदम भी उठाएगा। इसके अलावा चीन की छवि को खराब करने के लिए ट्रंप ने दोबारा बोलना शुरू कर दिया है कि कोरोना वुहान लैब से फैला था। दूसरी तरफ रूस देख रहा है कि कैसे डोनाल्ड ट्रंप भारत पर डोरे डाल रहे हैं। पीएम मोदी को फोन मिलाकर अमेरिकी हथियार खरीदने की बात कर रहे हैं। अभी तक तो रूस भारत को सभी तरह के हथियार दे रहा था। भारत के लिए न्यूक्लियर रिएक्टर बना रहा था।